वर्ष : 17 ❖ अंक : 251 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
बुधवार, 19 अप्रैल 2023

कांग्रेस एक डूबता जहाज : सीएम बोम्मई 3 | पुरुष या महिला की कोई पूर्ण अवधारणा नहीं : सुप्रीम कोर्ट 8

छात्रा की हत्या के मामले में आरोपी गिरफ्तार

पुलिस पूछताछ में कबूली दुष्कर्म के बाद हत्या की बात

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 18 अप्रैल । गंगटोक से करीब पांच किमी दूर पांगथांग के निकट फैमबोंग्लो गांव में बीते 14 अप्रैल को 11 वर्षीय एक छात्रा का शव मिलने की घटना में पुलिस ने प्रीतम शर्मा (29) नामक एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ ने युवक ने छात्रा से दुष्कर्म के बाद उसकी गला दबा कर हत्या करने की बात कबूल कर ली है। वहीं आज आरोपी को गंगटोक जिला अदालत में पेश किये जाने पर न्यायाधीश ने उसे 14 दिनों के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

गौरतलब है कि मृत छात्रा 10 अप्रैल को स्कूल से घर लौटने के क्रम में लापता थी। अगले दिन 11 अप्रैल को उसकी मां ने बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसके चार दिन बाद फैमबोंग्लो गांव में लकड़ी बीनने वाले स्थानीय लोगों ने एक शव देखने के बाद लिंगदोक पुलिस चौकी को सूचना दी। गंगटोक जिला पुलिस द्वारा उसकी तस्वीर दिखाने पर गुमशुदा छात्रा की मां ने उसकी पहचान की। तब तक शव सड़ने लगा था। उसके बाद ही पुलिस ने मामले की जांच तेज करते हुए आरोपी की तलाश शुरू की और तमांग गुम्पा इलाके के सीसीटीवी फुटेज को देखा, जहां पीड़िता घर जाने के लिए टैक्सी में सवार हुई थी। पुलिस ने कई टैक्सी ड्राइवरों और उनकी यूनियनों से पूछताछ भी की।

सिक्किम पुलिस के विशेष डीजीपी अक्षय सचदेव ने आज यहां पत्रकारों को बताया कि शव मिलने के बाद पोस्टमॉर्टम में उसका गला घोंटने और यौन उत्पीड़न के निशान मिले थे। वहीं पुलिस को सिच्चे में तिब्बती झोरा के पास एक सीसीटीवी फुटेज में एक टैक्सी ड्राइवर के बारे में सुराग मिला था, जहां छात्रा वाहन में सवार हुई थी। उन्होंने बताया, हमने आरोपी के फोन नंबर को ट्रैक किया और कल शाम करीब छह बजे रानीपूल में पकड़ कर उसे पूछताछ के लिए सदर पुलिस थाने लेकर आई। वहां तीन घंटे तक पूछताछ के बाद आरोपी ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म एवं उसकी हत्या करने की बात कबूल कर ली है।

डीजपी के अनुसार, आरोपी टैक्सी ड्राइवर ने स्वीकार किया है कि बारिश होने के कारण उसने छात्रा को अपने वाहन में लिफ्ट दी। इस दौरान उसने छात्रा को जूस भी पिलाया और वाहन में ईंधन डलवाने की बात कह कर उसे सूनसान फैम्बोंग्लो के जंगली क्षेत्र में ले गया। वहीं उसने दुष्कर्म के बाद वारदात का खुलासा होने के भय से अपने हाथों से उसका गला घोंट कर उसकी हत्या कर दी। इतना ही नहीं हत्या के बाद उसने इसे एक अन्य अपराध की तरह दिखने की भी कोशिश की।

पुलिस ने आगे बताया कि आरोपी गंगटोक का तथान्गचेन निवासी प्रीतम शर्मा 10 साल से अधिक समय से टैक्सी चालक के रूप में काम कर रहा है। उसकी शादी सिक्किम की स्थानीय महिला से ही हुई है और उसका एक 8 साल का बच्चा भी है। प्रीतम शर्मा का जन्म और पालन-पोषण गंगटोक में ही हुआ है, लेकिन उसका परिवार मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर का रहने वाला है। विशेष डीजीपी सचदेव ने आगे कहा कि हम आरोपी को सख्त से सख्त सजा दिलाने की कोशिश करेंगे। फिलहाल उस पर हत्या के आरोप में धारा 302 के तहत केस दर्ज किया गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि होने के बाद उसके खिलाफ पोस्को के तहत भी मामला दर्ज किया जाएगा।

इसी बीच, सिक्किम पुलिस की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ही मृत छात्रा की मां और उसके परिजनों ने सदर थाने का घेराव किया। बाद में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने आरोपी को फांसी देने की मांग की। मृत छात्रा की मां ने कहा कि आज जो मेरी बेटी के साथ हुआ है, वह अन्य बच्चों के साथ नहीं होना

परिजनों ने फांसी की मांग को लेकर किया थाने का घेराव

चाहिए। मेरी मांग है कि आरोपी को फांसी दी जाए। उन्होंने कहा, मेरी बेटी ने अपने जीवन के लिए संघर्ष किया, मरने से पहले उसे प्रताड़ित किया गया; ऐसे में आरोपी को भी इसी प्रकार सजा मिलनी चाहिए।

वहीं घटना को लेकर पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए मृत छात्रा की मां ने कहा कि मेरी बच्ची जिस दिन स्कूल से घर नहीं लौटी, तो मैंने पागलों की तरह उसे खोजा था। उसी दिन सदर थाना आकर इसकी शिकायत की। उन्होंने मेरी बेटी की फोटो और मेरा फोन नंबर मांगा। उन्होंने हमें बताया कि पुलिस समूह में जानकारी साझा की जा रही है और 24 घंटे में वे खोज शुरू कर देंगे। लेकिन घटना के 30 घंटे बीत जाने के बावजूद पुलिस ने जांच शुरू नहीं की। मेरे थाने आकर रोने के बाद ही उन्होंने जांच शुरू की। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

वहीं आज सदर थाने के बाहर आम जनता ने मृत छात्रा के प्रति संवेदना दर्शाते हुए एक शांति रैली भी निकाली। इसके अलावा, जब आरोपी को जिला अदालत में पुलिस रिमांड के लिए लाया गया तो लोगों ने उस पर हमला कर उसे भीड़ को सौंप देने को कहा। इस दौरान एक पुलिस वाहन का शीशा भी क्षतिग्रस्त हो गया।

पंचायत उपचुनाव के लिए पीठासीन व मतदान अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण सम्पन्न

अनुगामिनी नि.सं.

मंगन, 18 अप्रैल । जिले के नामोक-स्वाएम क्षेत्र में आगामी पंचायत उपचुनाव हेतु आज राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पेंटोक जिला प्रशासनिक भवन में पीठासीन एवं मतदान अधिकारियों का अंतिम प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर डीसी सह पंचायत रिटर्निंग अधिकारी हेम कुमार छेत्री, एडीएम श्रीमती छिरिंग यांगदेन शारसो, एसपी डॉ. छिरिंग ग्याछो के अलावा डीसीएसओ सह प्रशिक्षण प्रबंधन नोडल अधिकारी एवं चुंगथांग एसडीएम सह नोडल अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं को ईवीएम पर प्रशिक्षण दिया गया।

इस दौरान डीसी ने प्रशिक्षु पीठासीन और मतदान अधिकारियों को उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों से अवगत कराते हुए उनसे भली-भांति प्रशिक्षण प्राप्त कर पूरी ऊर्जा के साथ काम करने का आग्रह किया। वहीं एसपी मंगन ने प्रशिक्षुओं को प्रभावी मतदान हेतु सभी आवश्यक वस्तुओं एवं सामग्रियों की सावधानीपूर्वक जांच कर लेने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने ईवीएम की सुरक्षा पूरी तरह से नामित मतदान केंद्रों के सभी मतदान दल पर निर्भर होने की बात कही। इसके अलावा, प्रशिक्षण प्रबंधन नोडल अधिकारी पाल्देन नोर्बू लाचुंगपा ने पीठासीन और मतदान अधिकारियों की विभिन्न भूमिकाओं और जिम्मेदारियों पर एक प्रस्तुति भी पेश की।

वहीं आज ही पेंटोक जिला भवन में मतगणना पर्यवेक्षकों एवं सहायकों के लिए भी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें पाल्देन नोर्बू लाचुंगपा ने ईवीएम और पोस्टल बैलेट की गिनती पर व्यापक प्रशिक्षण दिया। साथ ही इसमें प्रशिक्षुओं को ईवीएम से वोटों की गिनती का भी प्रशिक्षण दिया गया।

अस्पताल आपदा प्रबंधन योजना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 18 अप्रैल । सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में सीडीआरआई और विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से आज गंगटोक के निकट सोचेग्यांग स्थित एसटीएनएम अस्पताल में अस्पताल आपदा प्रबंधन योजना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य राज्य के अस्पतालों में आपदा प्रबंधन योजना की तैयारी एवं अस्पतालों के आसपास लचीले बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में राज्य के भूमि राजस्व व आपदा प्रबंधन मंत्री कुंगा नीमा लेप्चा ने लचीले बुनियादी ढांचे के निर्माण में नियमों के पालन पर जोर दिया और हितधारकों के क्षमता निर्माण में सीडीआरआई की पहल पर भी बात की।

साथ ही उन्होंने प्रतिभागियों को आपदा प्रतिरोधी समाज बनाने की दिशा में कार्यक्रम में सक्रियता से भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया। वहीं अपने मुख्य भाषण में विश्व स्वास्थ्य संगठन के आपातकालीन प्रबंधन टीम लीडर डॉ. त्रान मिन्ह ने डब्ल्यूएचओ के संस्थागत तंत्र पर बात करते हुए कोविड से निपटने के बाद के अनुभवों को साझा किया।

इस अवसर पर स्वास्थ्य व परिवार कल्याण सचिव छेवांग ग्याछो ने एसएसडीएमए को अस्पताल के लचीलेपन के निर्माण में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग हेतु धन्यवाद दिया। वहीं राहत आयुक्त अनिल राज राई ने केरल में अस्पताल आपातकालीन प्रबंधन के अपने अनुभव साझा किये।

दलाई लामा के खिलाफ दुष्प्रचार निंदनीय : केटी ग्याल्छेन

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 18 अप्रैल । सिक्किम लोकतांत्रिक मोर्चा (एसडीएफ) ने संचार माध्यमों खास कर सोशल मीडिया में दलाई लामा के खिलाफ चलाये जा रहे अपमानजनक अभियान की निंदा की है। पार्टी के अनुसार, निहित स्वार्थ कारण शुरू किया गया यह अपमानजनक अभियान काफी दुखद है।

एसडीएफ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष केटी ग्याल्छेन ने विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि हम सिक्किम में दलाई लामा को बहुत करीब से जानते हैं और उनके लिए हमारे मन में

अत्यधिक सम्मान है। जब हमारी पार्टी सत्ता में थी, तब खासकर वह कई बार यहां लोगों को आशीर्वाद देने भी आए हैं। उन्होंने कहा कि समस्त मानवता और प्राणियों के लिए दलाई लामा का प्रेम और करुणा असीमित है। ऐसे में पार्टी की ओर से हम उनके प्रति अपना गहरा प्यार और सम्मान व्यक्त करते हैं।

इसके अलावा, ग्याल्छेन ने एसडीएफ प्रधान कार्यालय में पार्टी अध्यक्ष के साथ दलाई लामा की तस्वीर होने का जिक्र करते हुए कहा कि उनके मन में किसी के प्रति कोई द्वेष नहीं है। पूरी मानवता के लिए शांति, प्रेम और करुणा का दलाई लामा का संदेश उनसे आगे भी जीवित रहेगा। साथ ही उन्होंने सभी सिक्किमवासियों एवं सभी धर्मों के लोगों के साथ मिलकर इस अभियान की निंदा करते हुए दलाई लामा के प्रति अपनी एकजुटता की बात कही।

सांसद सुब्बा ने किया नए विद्यालय भवन का उद्घाटन

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 18 अप्रैल । सिक्किम के लोकसभा सांसद इंद्रहांग सुब्बा ने मंगलवार को मानेबुंग-देन्ताम समष्टि अंतर्गत 20-बांगतेन सापोंग जीपीयू के 1989 में स्थापित लोअर सापोंग प्राथमिक विद्यालय के नए भवन का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में जनसम्पर्क विभागीय सलाहकार बीरेंद्र टामलिंग, मुख्य शिक्षा अधिकारी सुवैया गौंडर, देन्ताम महकमा शिक्षा निदेशक छिरिंग पांजो शेर्पा, जिला पंचायत इकाई उपाध्यक्ष अनीता राई के अलावा ग्राम व वार्ड पंचायत के पदाधिकारी एवं अन्य लोग उपस्थित रहे। जानकारी के अनुसार, 34 लाख 24 हजार रुपए की लागत से निर्मित इस विद्यालय भवन का 2018 में टेंडर कर काम शुरू किया गया था।

इस अवसर पर विद्यालय परिवार की ओर से मुख्य अतिथि सांसद एवं विभागीय अधिकारी को स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। यहां सांसद सुब्बा ने शिक्षकों और छात्रों के साथ-साथ अभिभावकों को भी स्कूल की बेहतरी हेतु योगदान करने को कहा। साथ ही स्कूल के बुनियादी ढांचे के विकास में मदद करने का वादा करते हुए उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा विकास शिक्षा है और इसका विकास होने पर ही समाज और गांव का विकास होगा। वहीं उन्होंने स्कूल में छात्रों की संख्या बढ़ाने का भी सुझाव दिया।

इस दौरान मुख्य शिक्षा अधिकारी सुवैया गौंडर ने बताया कि राज्य के अति पिछड़े गांव के रूप में पहचाने जाने वाले लोअर सापोंग के इस प्राथमिक विद्यालय में गरीब बच्चे पढ़ते हैं।

उन्होंने विभाग की ओर से स्कूल के बुनियादी ढांचे के विकास पर काम करने का वादा किया। इससे पूर्व कार्यक्रम में वार्ड पंचायत इन्ना भट्टराई ने अपने स्वागत भाषण एवं विद्यालय के प्रधान शिक्षक मिलन सुब्बा ने विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने गीत व नृत्य प्रस्तुत किए।

नवनिर्मित पुल की दीवार में आई दरार

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 18 अप्रैल । कुछ दिन पहले ही निर्मित पुल की दीवार दरक जाने के कारण स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। यह घटना पश्चिम सिक्किम के यांगथाग निर्वाचन क्षेत्र के यांगते ग्राम पंचायत की है। पंचायत के लोअर यांगते वार्ड नं. 2 कबिरथांग से दन्तेवारी होते हुए रातोमाटे रमिते स्कूल तक पहुंचने वाली सड़क मार्ग के बीच दन्ते खोल्सा में हाल ही में निर्मित पुल की स्थिति खराब हो गई है।

प्रधानमन्त्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत बनाए गए इस सड़क मार्ग के अन्य काम संतोषजनक हैं लेकिन पुल की स्थिति काफी नाजुक है। यह सड़क निर्माण कार्य कुछ ही दिन पहले पूरा हुआ है। बारिश से पहले ही पुल की जर्जर स्थिति को देखते हुए लोगों को चिंता सताने लगी है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि इसके लिए केवल ठेकेदार ही नहीं बल्कि विभागीय अभियंता भी दोषी हैं। आम नागरिकों ने

कहा कि काम शुरू करते समय विभागीय अभियंताओं को कुछ सुझाव दिए गए थे लेकिन उन्होंने इस पर अमल नहीं किया।

मानसिक स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन व आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन पर एक कार्यशाला सम्पन्न

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 18 अप्रैल । राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनएमएचपी) के तत्वावधान में स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग द्वारा आज जिले के पंचायत सदस्यों के लिए मानसिक स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन एवं आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला रूर्बन कम्युनिटी कॉम्प्लेक्स में आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, आत्महत्या की रोकथाम और मानव स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बारे में शिक्षित करना था।

इस अवसर पर एडीसी विकास रॉबिन सेवा ने कार्यक्रम के महत्व पर जोर देते हुए मानव स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के साथ-साथ इसका आत्महत्या की

रोकथाम पर भारी प्रभाव पडने की संभावना पर बात की। इसके अतिरिक्त उन्होंने जिले में दर्ज मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों की संख्या में वृद्धि का भी अनुमान लगाते हुए ऐसे मामलों को कम करने के लिए सभी से अपनी भूमिका निभाने का अनुरोध किया।

वहीं कार्यक्रम में एनएमएचपी, एनपीसीसीएच एवं एबीडीएमडी के संयुक्त निदेशक और राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मदन एम ढकाल ने आत्महत्या की रोकथाम हेतु मानसिक स्वास्थ्य पर प्रस्तुति दी। इस दौरान उन्होंने आत्महत्या रोकथाम की आवश्यकता, आत्महत्या रोकने के तरीके, आत्महत्या के कारण, जोखिम कारक और सुरक्षात्मक कारकों पर प्रकाश डाला। उन्होंने देश में बढ़ते आत्महत्या के मामलों पर चिंता जाहिर की। (शेष पृष्ठ ०३ पर)

'अपराधों के विश्लेषण के लिए बढ़ाएं एआई का इस्तेमाल', एमएचए के वरिष्ठ अधिकारियों से बोले अमित शाह

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के 'चिंतन शिविर' की अध्यक्षता की। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन 2047 को लागू करने के लिए एक कार्य योजना तैयार करने पर मंथन किया गया। इससे पहले 'चिंतन शिविर' में शाह ने गृह मंत्रालय के कामकाज की भी समीक्षा की। शाह ने वरिष्ठ अधिकारियों से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का अधिक से अधिक इस्तेमाल करने को कहा ताकि महिलाओं, बच्चों और कमजोर वर्गों के लिए, शहर को सुरक्षित बनाया जा सके।

सूत्रों ने बताया कि 'चिंतन शिविर' में चर्चा दो सत्रों में हुई। केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के प्रेस सेंटर में सुबह करीब 10 बजे 'चिंतन शिविर' शुरू हुआ। घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों ने बताया कि 'चिंतन शिविर' का उद्देश्य मंत्रालय के काम की समीक्षा करना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विजन 2047' को लागू करने के लिए एक कार्य योजना तैयार करना है।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, गृहमंत्री शाह ने 'चिंतन शिविर' में शहरों को महिलाओं, बच्चों और कमजोर वर्गों के लिए सुरक्षित बनाने के लिए अपराधों के महत्वपूर्ण विश्लेषण के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के इस्तेमाल को बढ़ाने की वकालत की। उन्होंने कहा, क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स (सीसीटीएनएस) का उद्देश्य ई-गवर्नेंस के सिद्धांत को अपनाकर पुलिसिंग की दक्षता और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए एक व्यापक और एकीकृत प्रणाली बनाना है।

उन्होंने साइबर अपराध प्रबंधन, पुलिस बलों के आधुनिकीकरण, आपराधिक न्याय प्रणाली में आईटी के बढ़ते उपयोग, भूमि सीमा प्रबंधन और तटीय सुरक्षा मुद्दों आदि के लिए पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने का समर्थन किया।

गृह मंत्री ने भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि भविष्य में रिक्तियों की आशंका को देखते हुए इसे पहले से शुरू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) नियमित रूप से आयोजित की जानी चाहिए ताकि कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति मिल सके।

उन्होंने सुझाव दिया कि गृह मंत्रालय के अधिकारियों को विकास योजनाओं की निगरानी के लिए क्षेत्र का दौरा करना चाहिए, सीमावर्ती क्षेत्रों में बाड़ और सड़कों के निर्माण में तेजी लाने का निर्देश देना चाहिए। बयान में कहा गया है कि गृह मंत्री ने मंत्रालय के लिए आगे की राह पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की और भरोसा जताया कि 'चिंतन शिविर' में आयोजित चर्चा से इन क्षेत्रों में बेहतर योजना और समन्वय में मदद मिलेगी।

उन्होंने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) कर्मियों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं बनाने जैसे विभिन्न कल्याणकारी उपाय करने पर भी जोर दिया। शाह ने प्रशिक्षण

के महत्व पर जोर दिया और कहा कि गृह मंत्रालय की सभी शाखाओं द्वारा नियमित प्रशिक्षण आयोजित किया जाना चाहिए।

उन्होंने संवेदनशीलता के महत्व और सभी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा व्यक्तिगत संपर्क विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सभी वरिष्ठ अधिकारियों से कहा कि वे सामूहिक रूप से पूरे समर्पण के साथ कार्य करें। बयान में कहा गया है कि शाह ने गृह मंत्रालय के प्रयासों की सराहना की और सुरक्षित भारत बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने विभिन्न अवसरों पर अपने 'विजन 2047' संदेश में, सभी क्षेत्रों में मुद्दों से निपटने के लिए सरकारी नीतियों और नौकरशाही प्रक्रियाएं तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया है। प्रधानमंत्री के विजन का लक्ष्य अमृत काल में जनकल्याण और आत्मनिर्भर भारत बनाना है। गृह मंत्रालय का चिंतन शिविर पीएम के स्वप्नों को पूरा करने के लिए उठाए जा रहे कई कदमों में से एक है।

अखिल गोगोई को राहत नहीं, एनआईए केस में आरोपमुक्त करने से इनकार; सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा हाईकोर्ट का आदेश

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेन्सी)। असम के निर्दलीय विधायक अखिल गोगोई को सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है। शीर्ष कोर्ट ने गुवाहाटी हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा है। हाईकोर्ट ने नागरिकता कानून विरोधी प्रदर्शनों और माओवादियों से संदिग्ध संबंधों से जुड़े एक मामले में गोगोई को आरोपमुक्त करने के फैसले को रद्द कर दिया था।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की अपील को स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट ने गोगोई सहित सभी चार आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने के सवाल पर नए सिरे से सुनवाई करने के लिए मामले को वापस निचली अदालत के पास भेज दिया था।

जस्टिस वी रामसुब्रमण्यम और जस्टिस पंकज मिथल की पीठ ने हाईकोर्ट के आदेश की 'सभी तरह' से पुष्टि की। हालांकि, शीर्ष कोर्ट ने सुनवाई लंबित रहने तक गोगोई को जमानत दे दी और कहा कि वह करीब 567 दिनों से जेल में हैं।

उन्होंने कहा, वह पिछले 21 महीने से अधिक समय से आजाद व्यक्ति के रूप में बाहर हैं। यह ध्यान रखना जरूरी है कि उनकी स्वतंत्रता जमानत के आदेश से नहीं, बल्कि विशेष अदालत द्वारा पारित आरोपमुक्त करने के आदेश से सुरक्षित थी, जिसे अब हाईकोर्ट ने उलट दिया है।

पीठ ने कहा, ऐसा कुछ भी रिकॉर्ड में नहीं लाया गया जिससे पता चले कि 21 महीने की इस अवधि के दौरान जब याचिकाकर्ता एक स्वतंत्र व्यक्ति रहा है, वह किसी गैरकानूनी गतिविधि में लिप्त रहा है। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि इसके विपरीत याचिकाकर्ता 2021 में विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए और अब वह विधानसभा के मौजूदा सदस्य हैं।

इसमें कहा गया है कि एहतियातन हिरासत के मामलों को छोड़कर किसी व्यक्ति को पुलिस/न्यायिक हिरासत में रखने का उद्देश्य या तो निष्पक्ष और उचित जांच की सुविधा प्रदान करना है या दोषसिद्धि के बाद दंड के उपाय के रूप में है।

शीर्ष कोर्ट ने कहा, इस मामले में जांच पूरी हो गई है और याचिकाकर्ता अभी तक एक 'दोषी' अपराधी नहीं है। इसलिए, हमें नहीं लगता कि स्पेशल कोर्ट को उसे हिरासत में भेजने की अनुमति देने और फिर उसे जमानत के लिए आवेदन करने में सक्षम बनाने में उद्देश्य पूरा होगा।

कर्नाटक चुनावों में प्रचार कर सकते हैं तमिलनाडु सीएम स्टालिन, विपक्षी एकता दिखाने की कोशिश

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेन्सी)। कर्नाटक चुनाव में सभी पार्टियां अपना जोर आजमा रही हैं। कांग्रेस-भाजपा सहित तमाम पार्टियां प्रचार में जुटी हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और डीएमके नेता कनिमोझी भी कांग्रेस के लिए प्रचार करने कर्नाटक आ सकते हैं। अगर स्टालिन प्रचार करने कर्नाटक आते हैं तो यह विपक्ष को एकजुट करने की कांग्रेस के प्रयासों में बड़ा कदम साबित होगा। कर्नाटक में 10 मई को मतदान होंगे और 13 मई को वोटों की गिनती होगी।

कर्नाटक तमिलनाडु के साथ सीमाओं को साझा करता है। कर्नाटक लगभग पांच प्रतिशत तमिलों का घर है। बेंगलुरु, मैसूर, कोलार चामराजनगर, हुबली और शिमोगा में तमिल मतदाताओं की जनसंख्या काफी अच्छी है। द्रविड़ वोटों के कारण कांग्रेस का मानना है कि तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन और कनिमोझी अच्छे प्रचारक हो सकते हैं। राज्य में तमिलों को लुभाने में डीएमके नेता मददगार साबित हो सकते हैं। इससे कांग्रेस को विधानसभा चुनावों में सरकार बनाने में मदद मिल सकती है। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद नासिर हुसैन ने बताया कि कांग्रेस कई विपक्षी नेताओं के साथ बातचीत कर रही है, जो कर्नाटक में पार्टी के लिए प्रचार भी कर सकते हैं।

सूडान में फंसे लोगों पर जयशंकर की सिद्धारमैया को खरी-खरी, कहा- वहां जीवन दांव पर और आप राजनीति कर रहे

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेन्सी)। सूडान में अर्धसैनिकों और सशस्त्र बलों के बीच जारी हिंसक झड़प थमने का नाम नहीं ले रही है। लगातार चौथे दिन यह झड़प जारी रही। झड़प में मरने वालों की संख्या बढ़कर 185 तक पहुंच गई है। इस बीच, सामने आया है कि कर्नाटक के लगभग 31 आदिवासी सूडान के अल फशेर में फंसे हुए हैं। जिसको लेकर यहां राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया के ट्वीट पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने करारी प्रतिक्रिया की है। उन्होंने कांग्रेस नेता के ट्वीट पर रीट्वीट करते हुए लिखा कि वहां लोगों का जीवन दांव पर है। आप यहां राजनीति ना करें।

सूडान में चल रही लड़ाई के बीच वहां फंसे भारतीयों को लेकर कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने चिंता जाहिर की थी। उन्होंने ट्वीट के जरिए कहा था कि खबर है कि हक्की-पक्की जनजाति के 31 आदिवासी, जोकि कर्नाटक के रहने वाले हैं, वो गृहयुद्ध से परेशान सूडान में फंसे हुए हैं। ट्वीट में उन्होंने आगे कहा कि मैं इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई से तत्काल हस्तक्षेप करने और उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह करता हूं।

कांग्रेस नेता के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आपके ट्वीट से स्तब्ध हूँ ! आपने बस ट्वीट करके अपील की। वहां जीवन दांव पर हैं। ऐसे में इस मामले में राजनीति मत कीजिए। उन्होंने आगे कहा कि सुरक्षा कारणों के कारण उन लोगों का स्थान और विवरण सार्वजनिक नहीं कर सकते। दूतावास इसे लेकर लगातार मंत्रालय के संपर्क में है।

विदेश मंत्री ने आगे कहा कि उनके बारे में योजनाओं को एक बहुत ही जटिल सुरक्षा परिदृश्य को ध्यान में रखना होता है। दूतावास इस संबंध में लगातार मंत्रालय के संपर्क में है। उनकी स्थिति का राजनीतिकरण करना आपके लिए घोर गैरजिम्मेदाराना है। कोई भी चुनावी लक्ष्य विदेशों में भारतीयों को खतरे में डालने को सही नहीं ठहराता।

गौरतलब है कि 14 अप्रैल को लड़ाई शुरू होने के बाद से, खार्तूम में भारतीय दूतावास सूडान में अधिकांश भारतीय नागरिकों और पीआईओ के साथ लगातार संपर्क में है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक बयान में कहा कि खार्तूम में हालात बेहद चिंताजनक हैं और भारत स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। वहीं एक भारतीय की मौत पर जयशंकर ने कहा कि वे इसे लेकर काफी दुखी हैं और दूतावास परिवार को सारी मदद मुहैया कराने की कोशिश में है। जयशंकर ने ट्वीट कर कहा कि वह भारतीय नागरिक की मौत से आहत हैं। भारतीय दूतावास आगे की औपचारिकताएं पूरी करने के लिए पीड़ित परिवार और चिकित्सा विभाग के संपर्क में है।

वहीं, खार्तूम में बड़े पैमाने पर हिंसा के बाद भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों को अत्यधिक सावधानी बरतने और घर के अंदर रहने की सलाह दी। शनिवार को एक ट्वीट में, मिशन ने भारतियों से शांत रहने और अपडेट की प्रतीक्षा करने का भी आग्रह किया।

अफ्रीकी देश सूडान इन दिनों हिंसा की चपेट में जकड़ा हुआ है। यहां की राजधानी खार्तूम में सेना और देश के ताकतवर अर्धसैनिक बल, रैपिड सपोर्ट फोर्सेज

(आरएसएफ) के बीच भयंकर लड़ाई छिड़ी हुई है। शनिवार से शुरू हुई हिंसक झड़प मंगलवार को चौथे दिन भी जारी रही। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक, इस झड़प में अब तक कुल 185 लोग मारे जा चुके हैं जबकि घायलों की संख्या 1800 है।

हालिया हिंसक घटनाओं की जड़ें तीन साल पहले हुआ तख्तापलट से जुड़ी हैं। दरअसल, अप्रैल 2019 में एक विद्रोह के बीच सैन्य जनरलों द्वारा लंबे समय से शासन कर रहे निरंकुश शासक उमर अल-बशीर को सत्ता से बेदखल कर दिया था। तब से यह एक संप्रभु परिषद के माध्यम से देश चला रहे हैं। सेना और आरएसएफ प्रतिद्वंद्विता राष्ट्रपति उमर अल-बशीर के शासन के समय से चली आ रही है। ताजा झड़प की वजह ये है कि सूडान की सेना का मानना है कि आरएसएफ, अर्द्धसैनिकल बल के तहत आती है और उसे सेना में शामिल नहीं किया जाना चाहिए।

कोरोना महामारी की दहशत के चक्र को तोड़ने की जरुरत : मंडाविया

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेन्सी)। भारत के स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने मंगलवार को जी20 स्वास्थ्य कार्य समूह की दूसरी बैठक के समापन सत्र में कोरोनावायरस की स्थिति के खिलाफ तैयारियों के देश के प्रयासों को कम नहीं होने पर जोर दिया है। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि भारत की जी20 के इटली और इंडोनेशियाई अध्यक्षता के दौरान लाई गई गति को जारी रखने और स्वास्थ्य आपात स्थिति की तैयारी, रोकथाम और प्रतिक्रिया के लिए अब तक किए गए प्रयासों को समेकित करने की योजना बना रही है।

दुनिया भर की स्वास्थ्य प्रणालियों पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'हमारे लिए यह आवश्यक है कि हम सामूहिक रूप से घबराहट और उपेक्षा के चक्र को तोड़ें और महामारी की थकान को हमारे चल रहे प्रयासों को कम न होने दें।'

उन्होंने बताया कि भारत ने स्वास्थ्य सेवा वितरण में प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देने, दुनिया भर में डिजिटल विभाजन को कम करने और डिजिटल सार्वजनिक भलाई को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल स्वास्थ्य और नवाचार के एजेंडे का प्रस्ताव दिया है।

मंडाविया ने कहा, 'जी20 हेल्थ वर्किंग ग्रुप के रूप में, हम संयुक्त रूप से भविष्य की वैश्विक स्वास्थ्य संरचना के लिए सकारात्मक प्रभाव पैदा करने की दिशा में बढ़ रहे हैं।'

केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार ने कहा कि भारत की जी20 अध्यक्षता का 'वसुधैव कुटुम्बकम' (विश्व एक परिवार है) के प्राचीन भारतीय दर्शन के आधार पर निहित है। उन्होंने एक ऐसी स्वास्थ्य प्रणाली बनाने पर जोर दिया जो सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच सुनिश्चित करती है।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने 'एक स्वास्थ्य' के दृष्टिकोण के माध्यम से एक एकीकृत वैश्विक स्वास्थ्य ढांचे की आवश्यकता और रोगों के प्रतिरोध की चुनौती का मुकाबला करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

'किसी भी धर्म में अविवाहित को पिता से उचित विवाह खर्च पाने का अधिकार', केरल हाईकोर्ट की टिप्पणी

कोच्चि, 18 अप्रैल (एजेन्सी)। केरल हाईकोर्ट ने एक मामले में सुनवाई करते हुए मंगलवार को अहम टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति अनिल के नरेंद्रन और न्यायमूर्ति पीजी अजित कुमार की खंडपीठ ने कहा है कि प्रत्येक अविवाहित बेटी को अपने पिता से उचित विवाह खर्च प्राप्त करने का अधिकार है। अदालत ने यह भी कहा है कि ऐसा हर धर्म के लिए है। जस्टिस अनिल के. नरेंद्रन और पी.जी. अजीतकुमार परिवार न्यायालय द्वारा पारित आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर सुनवाई कर रहे थे।

न्यायमूर्ति अनिल के नरेंद्रन और न्यायमूर्ति पीजी अजित कुमार की खंडपीठ ने मंगलवार को इस सवाल कि क्या एक ईसाई बेटी को अपने पिता की अचल संपत्ति या उससे होने वाले मुनाफे से शादी का खर्च लेने का अधिकार है? पर विचार करते हुए यह टिप्पणी की।

अदालत ने सभी पक्षों के तर्कों को सुनने के बाद कहा कि यह हर अविवाहित बेटी का अधिकार है, कि वह पिता से उचित कानूनी खर्च ले, चाहे उसका धर्म कुछ भी हो। किसी के धर्म के आधार पर इस तरह के अधिकार का दावा करने से भेदभावपूर्ण बहिष्कृत नहीं किया जा सकता है। अविवाहित बेटी का अपने पिता से शादी का खर्च लेने

का अधिकार एक कानूनी अधिकार है।

जानकारी के मुताबिक, इस मामले में याचिकाकर्ता प्रतिवादी की बेटियां हैं। याचिकाकर्ताओं की मां और प्रतिवादी के बीच वैवाहिक संबंधों में पूरी तरह से मनमुटाव था। इसके कारण उनके बीच मुकदमेबाजी चल रही थी। इस मुकदमेबाजी के कारण याचिकाकर्ता (बेटियां) प्रतिवादी (पिता) से अलग अपनी मां के साथ रह रही हैं।

याचिकाकर्ताओं के अनुसार प्रतिवादी ने अपनी मां के सोने के गहने बेचकर जुटाई गई राशि और अपनी मां और उसके परिवार के सदस्यों से प्राप्त अन्य वित्तीय मदद का उपयोग करते हुए याचिका अनुसूची संपत्ति खरीदी और उस संपत्ति पर एक घर भी बनवाया, जहां वह रह रहा है।

प्रतिवादी के अनुसार याचिकाकर्ताओं के सभी शैक्षिक खर्च उसके द्वारा वहन किए गए थे और उसकी पत्नी उसके प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया बनाए हुए थी।

इसके बाद, याचिकाकर्ताओं ने अस्थायी निषेधाज्ञा के आदेश के लिए एक वादकालीन आवेदन दायर किया, जिसमें याचिका अनुसूची संपत्ति में प्रतिवादी को अलग-थलग करने या अपशिष्ट के किसी भी कार्य को करने से रोक दिया गया।

यह माना गया कि यदि संपत्ति अलग-थलग कर दी जाती है, जैसा कि प्रतिवादी करने की कोशिश कर रहा था, या उस पर कुछ शरारतें की जाती हैं, तो मूल याचिका में दावा की गई विवाह के लिए उचित खर्च पाने का उनका अधिकार बाधित होगा। उन्होंने इस संदर्भ में कुर्की का आदेश भी मांगा।

पीठ ने पाया कि संपत्ति हस्तांतरण अधिनियम की धारा 39 के तहत, किसी भी व्यक्ति को अचल संपत्ति के मुनाफे से रखरखाव, या उन्नति या शादी के प्रावधान प्राप्त करने का अधिकार है, उस व्यक्ति की अचल संपत्ति के खिलाफ दावा लागू किया जा सकता है।

तेजस्वी को अपने कार्यालय में अतीक अहमद की फोटो टांगनी चाहिए : गिरिराज सिंह

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेन्सी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मारे गए गैंगस्टर अतीक अहमद को लेकर की गई अतीक अहमद की टिप्पणी को लेकर तेजस्वी यादव पर निशाना साधा।

उन्होंने बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर मंगलवार को निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें अपने कार्यालय में डॉन की तस्वीर टांग लेनी चाहिए। बेगूसराय से सांसद ने कहा कि मैं सुझाव दूंगा कि बिहार के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को अपने केबिन में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) और डॉन की तस्वीरें टांगनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि इससे पहले कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने ओसामा बिन लादेन को ओसामा जी कहा था। वे वोट के लिए कुछ भी कर सकते हैं। ऐसे लोगों ने उमेश पाल की हत्या पर एक शब्द नहीं बोला और अब वे दर्द में क्यों हैं? मीडिया से बातचीत के दौरान तेजस्वी यादव ने विवादित टिप्पणी में मारे गए गैंगस्टर को अतीक जी कह दिया था। तेजस्वी ने कहा था कि यह अतीक जी की मौत नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश में कानून की मौत हुई है।

इससे पहले अतीक अहमद (60) और उनके भाई अशरफ को तीन लोगों ने शनिवार की रात उस समय गोली मार दी थी, जब पुलिसकर्मी उन्हें उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक मेडिकल कॉलेज में जांच के लिए ले जा रहे थे।

अतीक और अशरफ हत्याकांड पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, 24 अप्रैल को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या की स्वतंत्र जांच का अनुरोध करने वाली याचिका पर 24 अप्रैल को सुनवाई करने के लिए मंगलवार को सहमत हो गया।

उच्चतम न्यायालय उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या की स्वतंत्र जांच का अनुरोध करने वाली याचिका पर 24 अप्रैल को सुनवाई करने के लिए मंगलवार को सहमत हो गया। अतीक और अशरफ़ को शनिवार रात को पत्रकार बनकर आए तीन लोगों ने उस वक्त नजदीक से गोली मार दी थी, जब वे चिकित्सा जांच के लिए प्रयागराज के एक मेडिकल कॉलेज में पुलिसकर्मियों द्वारा ले जाए जाते समय पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने मामले का, तत्काल सुनवाई के लिए उल्लेख करने वाले वकील विशाल तिवारी की दलीलों पर गौर किया। याचिका में 2017 के बाद से उत्तर प्रदेश में हुई 183 मुठभेड़ों की जांच का भी अनुरोध किया गया है।

दोनों भाइयों की हत्या से पहले अतीक के बेटे असद के शव को दफ़नाया गया था। असद और उसके एक साथी को 13 अप्रैल को झांसी में पुलिस मुठभेड़ में मौत हो गई थी।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने शुक्रवार को कहा था कि उसने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली सरकार के छह साल में मुठभेड़ों में 183 कथित अपराधियों को मार गिराया तथा इसमें असद और उसका साथी भी शामिल है।

याचिका में अतीक और अशरफ की हत्या की जांच करने के लिए एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति गठित करने का अनुरोध किया गया है।

इसमें कहा गया है, उत्तर प्रदेश के विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) के बयान के मुताबिक 2017 के बाद से हुई 183 मुठभेड़ और अतीक तथा अशरफ की पुलिस हिरासत में हत्या की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय के किसी पूर्व न्यायाधीश की अगुवाई में एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति का गठन कर कानून के शासन की रक्षा के लिए निर्देश जारी करें।

अतीक की हत्या का जिक्र करते हुए याचिका में कहा गया है, पुलिस का ऐसा कृत्य लोकतंत्र तथा कानून के शासन के लिए गंभीर खतरा है तथा यह पुलिसिया राज की ओर ले जाता है।

याचिका में कहा गया है, लोकतांत्रिक समाज में पुलिस को अंतिम निर्णय सुनाने का जरिया या दंड देने वाला प्राधिकरण बनने नहीं दिया जा सकता। दंड देने का अधिकार केवल न्यायपालिका को है। उसने कहा कि न्यायेत्तर हत्या या फर्जी पुलिस मुठभेड़ की कानून में कोई जगह नहीं है। याचिका के अनुसार, जब पुलिस दुस्साहसी बन जाती है तो पूरी कानून व्यवस्था ढह जाती है और लोगों के मन में पुलिस के खिलाफ डर पैदा होता है जो लोकतंत्र के लिए बहुत खतरनाक है तथा इससे और अपराध जन्म लेते हैं।

'बढ़ता कोविड संक्रमण, मौतें चिंता का कारण नहीं, वायरस स्थानिक बन गया है'

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसी)। विशेषज्ञों ने यहां मंगलवार को कहा कि कोविड संक्रमण और मौत दोनों में मौजूदा वृद्धि चिंता का कोई कारण नहीं है। हम कोविड की स्थानिकता तक पहुंच चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में मंगलवार को पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के 7,633 नए मामले दर्ज किए, जो सक्रिय मामलों की संख्या को 61,233 तक ले गए।

पिछले सप्ताह देश ने एक दिन में करीब 10,000 मामलों की सूचना दी, जबकि छह सप्ताह पहले एक दिन में केवल 100 मामले होते थे। देश में सप्ताह दर सप्ताह मामलों की संख्या में 79 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. ईश्वर गिलाडा ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने से हमें कोविड के और मामले मिल सकते हैं।

उन्होंने कहा, जिस तरह से मामले अब कई गुना बढ़ रहे हैं, मई के अंत तक संख्या एक दिन में एक लाख तक जा सकती है, (लेकिन) तब भी मैं इसे लहर नहीं कहूंगा।

डॉ. गिलाडा ने कहा, हमें बहुत अधिक निगरानी करने की जरूरत है और समय-समय पर उतार-चढ़ाव को कम करना है। यह उस स्थानिकता का हिस्सा है, जिसमें हम पहले से ही हैं। चूंकि पिछले 16 महीनों में कोई नया संस्करण नहीं है, हमें चिंता करने की जरूरत नहीं है कि वहां एक बड़ी लहर होगी।

फोर्टिस अस्पताल, मुलुंड की संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. अनीता मैथ्यू ने कहा, ऐसा लगता है कि कोविड-19 स्थानिक हो गया है और फ्लू की तरह हम निकट भविष्य में उतार-चढ़ाव देख सकते हैं।

संक्रमण के साथ-साथ मरने वालों की संख्या भी बढ़ रही है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने 11 मौतों की सूचना दी - दिल्ली (4), हरियाणा (1), कर्नाटक (1) और पंजाब (1), जबकि केरल द्वारा चार मौतों का मिलान किया गया।

डॉ. गिलाडा के अनुसार, लगभग 70 प्रतिशत मौतें 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों और सह-रुग्णताओं, अनियंत्रित मधुमेह, गुर्दे की समस्या वाले कैंसर रोगियों, कीमोथेरेपी रोगियों और तपेदिक रोगियों में देखी जाती हैं।

सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में संक्रामक रोग के सह-निदेशक डॉ. वसंत नागवेकर ने आईएएनएस से कहा, कोविड मामलों में वृद्धि हुई है, लेकिन उनमें से अधिकांश हल्के और आत्म-सीमित हैं। मेजबान और पर्यावरणीय कारकों के कारण ये लगातार बढ़ रहे हैं।

कोविड मामलों में मौजूदा वृद्धि में दोबारा संक्रमण भी शामिल है, जिसे विशेषज्ञों ने नोट किया है, क्योंकि संक्रमण और टीकाकरण, दोनों से प्रतिरक्षा कम हो रही है।

डॉ. गिलाडा ने कहा, हाइब्रिड इम्युनिटी जो इन्फेक्शन प्लस वैक्सीन है.. दोनों ही कम हो रहे हैं और इसलिए, जो लोग पहले से ही संक्रमित या टीका लगवा चुके हैं, उन्हें अभी भी संक्रमण हो सकता है, लेकिन बेहतर बात यह होगी कि संक्रमण हल्का होगा, उन्हें आईसीयू या वेंटिलेटर की जरूरत नहीं होगी।

डॉ. मैथ्यू ने आईएएनएस से कहा, बीमारी के प्रसार को सीमित करने का एकमात्र तरीका टीकाकरण और मास्किंग है, हमें उच्च जोखिम वाली आबादी की रक्षा के लिए ऐसा करने की जरूरत है। हमें चिंतित होने की जरूरत नहीं है, बल्कि सतर्क रहना है।

भारतीय दूतावास ने नागरिकों को घर के अंदर रहने की दी सलाह

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसी)। सूडान की सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच तेज लड़ाई के बीच, खार्तूम में भारतीय दूतावास ने मंगलवार को सभी भारतीय नागरिकों को सलाह दी कि वे बाहर न निकलें।

सूडान में भारतीयों के लिए एक सलाह में, दूतावास ने कहा, 'लूटपाट की कई घटनाएं हमारे सामने आ चुकी हैं। सभी भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि कृपया बाहर न निकलें। कृपया अपनी आपूर्ति को नियंत्रित करें। अभी कुछ दिन और यह स्थिति बनी रह सकती है। कृपया अपने पड़ोसियों से मदद लेने की कोशिश करें। कृपया घर पर रहें और सुरक्षित रहें।'

अफ्रीकी देश में हिंसा बढ़ने के बाद 15 अप्रैल के बाद से भारतीय दूतावास द्वारा जारी यह तीसरा परामर्श है।

15 अप्रैल को, भारतीय दूतावास ने सभी नागरिकों से घर के अंदर रहने, अत्यधिक सावधानी बरतने और तत्काल प्रभाव से बाहर निकलने से रोकने का आग्रह किया था।

दूतावास ने आगे कहा, 'सूडान जाने की योजना बना रहे भारतीयों को अपनी यात्रा स्थगित कर देनी चाहिए।'

16 अप्रैल को, खार्तूम में भारतीय दूतावास ने वहां रहने वाले अपने नागरिकों के लिए दूसरी सलाह जारी की थी, जिसमें कहा गया था, 'नई सूचनाओं के आधार पर, लड़ाई दूसरे दिन कम नहीं हुई है। हम ईमानदारी से सभी साथी भारतीयों से अनुरोध करते हैं कि वे जहां हैं वहीं रहें और बाहर उद्यम न करें। कृपया शांत और शांतिपूर्ण रहें। बालकनियों या छत जैसी खुली जगहों से दूर रहें। जब संभव हो, आसान गतिशीलता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक चीजें- दवा, पानी, पैसा, पासपोर्ट, ओसीआई कार्ड, भोजन अपने साथ तैयार रखें।'

16 अप्रैल को सूडान में काम करने वाले एक भारतीय नागरिक की उस देश में हिंसा भड़कने के बाद गोली लगने से मौत हो गई थी।

कर्नाटक से संबंधित 31 भारतीय नागरिक वर्तमान में सूडान में फंसे हुए हैं। 15 अप्रैल को, सूडान विस्फोटों और गोलियों की आवाज से जागा, जो 2021 में एक सैन्य तख्तापलट के बाद देश में सत्ता पर कब्जा करने वाले दो जनरलों के बीच एक सप्ताह के सत्ता संघर्ष की परिणति के बाद उठा।

दो जनरलों (अब्देल फतह अल-बुरहान जो सूडान की सेना के प्रमुख हैं और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के कमांडर मोहम्मद हमदान डागलो) पूर्व सहयोगी हैं।

दोनों सेना में शामिल हो गए और 2019 में सूडान के पूर्व राष्ट्रपति उमर अल-बशीर को गिराने के लिए एक साथ काम किया और 2021 के सैन्य तख्तापलट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हालांकि, देश में नागरिक शासन को बहाल करने की योजना के हिस्से के रूप में आरएसएफ को सूडान की सेना में एकीकृत करने के लिए बातचीत शत्रुतापूर्ण हो गई जब नए शासन में कौन किसको आदेश देगा।

मृत समझी जा रही भारतीय महिला पर्वतारोही माउंट अन्नपूर्णा में मिली जिंदा

काठमांडू, 18 अअप्रैल (एजेंसी)। एक प्रसिद्ध भारतीय महिला पर्वतारोही, जिसे पहले नेपाल में माउंट अन्नपूर्णा पर मृत मान लिया गया था, जीवित पाया गया है। अभियान के एक आयोजक ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

इससे पहले मंगलवार सुबह आयोजक ने 27 वर्षीय बलजीत कौर के लापता होने की सूचना मिलने पर उसे मृत घोषित कर दिया था। रिकॉर्ड धारक भारतीय महिला पर्वतारोही, जो शिखर बिंदु के नीचे अकेली रह गई थी, मंगलवार सुबह तक रेडियो संपर्क से बाहर रही।

पायनियर एडवेंचर के अध्यक्ष पसंग शेरपा ने कहा कि एक हवाई खोज दल ने कौर का पता लगाया है, जिसने सोमवार को ऑक्सीजन का उपयोग किए बिना दुनिया की 10वीं सबसे ऊंची चोटी पर चढ़ाई की थी।

पायनियर एडवेंचर ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि हमने अपनी पर्वतारोही बलजीत कौर से संपर्क स्थापित कर लिया है, जो पहले संकट में थी। हम उनकी सुरक्षा के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं।

अभियान कंपनी ने कहा, हम आपको आश्वस्त करना चाहते हैं कि वह अच्छी आत्माओं में है।

हवाई तलाशी अभियान मंगलवार सुबह तब शुरू किया गया जब वह 'तत्काल मदद' के लिए रेडियो सिग्नल भेजने में कामयाब रहीं। पर्वतारोही के बारे में मीडिया में गलत जानकारी फैलने के बाद, अभियान कंपनी ने कहा, हम आपके ध्यान में अपने पर्वतारोही के बारे में एक तत्काल सूचना लाना चाहते हैं। इस समय, हमारे पास कोई पुष्ट रिपोर्ट नहीं है, और यह हमारी नीति है। हम आपको आश्वस्त करना चाहते हैं कि वर्तमान में एक बचाव अभियान चल रहा है, और हम एक सुरक्षित और सफल परिणाम सुनिश्चित करने के लिए अपनी क्षमतानुसार सब कुछ कर रहे हैं।

हम अनुरोध करते हैं कि आप हमारे आधिकारिक नंबरों पर संपर्क करने से बचें, क्योंकि हमारी टीम पूरी तरह से बचाव अभियान पर केंद्रित है। हम अपने सोशल मीडिया चैनलों के माध्यम से नियमित अपडेट प्रदान करते रहेंगे।

शेरपा के अनुसार, कौर की जीपीएस लोकेशन ने 7,375 मीटर (24,193 फीट) की ऊंचाई का संकेत दिया है।

वह सोमवार शाम करीब 5.15 बजे दो शेरपा गाइडों के साथ माउंट अन्नपूर्णा पर चढ़ गई।

कौर का पता लगाने के लिए तीन हेलीकॉप्टर लगाए गए हैं।

बेस कैंप के अधिकारियों ने कहा कि इस बीच, एक अन्य भारतीय पर्वतारोही अनुराग मालू के खोजने की संभावना कम है, जो सोमवार को कैंप फोर से उतरते समय 6,000 मीटर से एक गहरी दरार में गिरने के बाद लापता हो गए थे।

कांग्रेस एक डूबता जहाज : सीएम बोम्मई

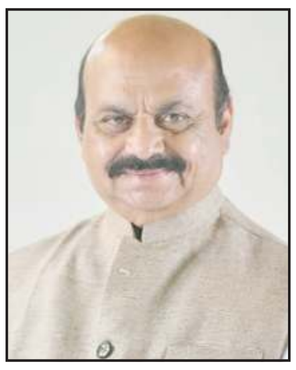

बेंगलुरु, 18 अप्रैल (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने मंगलवार को भाजपा के कुछ नेताओं के कांग्रेस में जाने के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि सबसे पुरानी पार्टी एक डूबता जहाज है और अगर वह बीजेपी के साथ रहते, तो तट तक पहुंच जाते।

बोम्मई ने पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार और पूर्व उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी के इस्तीफे का जिक्र करते हुए यह बात कही। भाजपा के दोनों पूर्व नेता 10 मई को होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे।

भाजपा प्रत्याशी और कैबिनेट मंत्री गोविंद करजोल के समर्थन में रोड शो करने के बाद बागलकोट में जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि भाजपा के प्रति लोगों की प्रतिक्रिया जबरदस्त रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने कृष्णा नदी के मुद्दे पर वादे किए लेकिन कुछ नहीं किया।

उन्होंने उत्तरी कर्नाटक क्षेत्र के लोगों को धोखा दिया। जमीन खोने वालों को मुआवजे के भुगतान में भेदभाव किया गया। किसानों को मुआवजा देने के लिए गोविंद करजोल को जल संसाधन मंत्री के रूप में आना पड़ा।

बोम्मई ने कहा, उनके द्वारा गठित कैबिनेट सब-कमेटी ने सभी को समान मुआवजा देने का संकल्प लिया था और कुछ का पालन किया गया। लिफ्ट सिंचाई योजनाओं के कार्यान्वयन के माध्यम से मुधोल तालुक का विकास किया गया है।

भविष्य के युद्धों के लिए पहले देखने और हमला करने की क्षमता की जरूरी : वीआर चौधरी

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसी)। आईएएफ प्रमुख वीआर चौधरी ने मंगलवार को कहा कि भविष्य के युद्धों में 'पहले देखने' की क्षमता, उसके बाद 'पहले वार करने' और फिर 'सबसे दूर तक वार करने' की क्षमता की जरूरत होगी।

एयर चीफ मार्शल चौधरी ने भारतीय वायु सेना के पहले और एकमात्र मार्शल अर्जन सिंह की याद में द सेंटर फॉर एयर पावर स्टडीज (सीएपीएस) द्वारा आयोजित एयरस्पेस पावर: पिवोट टू फ्यूचर बैटलस्पेस ऑपरेशंस पर सेमिनार में कहा, फाइटर जेट्स, यूएवी, सेंसर, लंबी दूरी की मिसाइल और मानव-मानव रहित प्लेटफार्मों की टीमिंग भविष्य के युद्धों में वायु शक्ति के परिणाम को परिभाषित करेगी।

भारतीय वायुसेना के अनुसार, संगोष्ठी का उद्देश्य एयरोस्पेस शक्ति की बदलती प्रकृति और भविष्य के युद्धक्षेत्र संचालन में इसकी भूमिका का पता लगाना था। जैसे-जैसे तकनीकी प्रगति युद्ध के परिऑश्य को नया रूप दे रही है, सैन्य उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए एयरोस्पेस डोमेन तेजी से महत्वपूर्ण हो गया है।

आईएएफ ने कहा कि- संगोष्ठी ने अतीत में 'वायु शक्ति संचालन की खासियत' की जांच की और भविष्य के युद्धक्षेत्र संचालन में अविभाज्य इकाई के रूप में बहु-डोमेन संचालन की आवश्यकता को रेखांकित किया। जैसे-जैसे दुनिया तेजी से जटिल और अस्थिर होती जा रही है, सैन्य अभियानों के लिए अधिक एकीकृत और बहु-आयामी ऑष्टिकोण की आवश्यकता होती है जो एयरोस्पेस क्षमताओं के पूर्ण स्पेक्ट्रम का लाभ उठाता है। एयरोस्पेस शक्ति भविष्य के संघर्षों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, खुफिया, निगरानी, टोही, कमांड और नियंत्रण और स्ट्राइक क्षमताओं में महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करेगी।

सत्रों ने उभरती प्रौद्योगिकियों, रणनीतियों, और इन क्षमताओं को व्यापक सैन्य अभियानों में एकीकृत करने से जुड़ी चुनौतियों और अवसरों सहित एयरोस्पेस शक्ति की विकसित प्रकृति पर चर्चा की। 'एयरोस्पेस डोमेन में प्रमुख रुझान और प्रौद्योगिकियां' और एयरोस्पेस पावर के लिए इन प्रवृत्तियों के उनके प्रभाव की भी जांच की गई, साथ ही साथ अंतरिक्ष और साइबर डोमेन का बढ़ता महत्व, मानव रहित हवाई वाहनों का उदय, और एयरोस्पेस संचालन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, क्वांटम कंप्यूटिंग और हाइपरसोनिक का बढ़ता उपयोग।

सत्र में एयरोस्पेस शक्ति के भविष्य के युद्धक्षेत्र संचालन में सफलतापूर्वक एकीकृत करने पर भी विचार-विमर्श किया गया, जिसके लिए उभरते खतरे के माहौल की व्यापक समझ, नवाचार और तकनीकी उन्नति के प्रति प्रतिबद्धता और नई परिचालन अवधारणाओं और सिद्धांत के विकास की आवश्यकता होगी। यह सम्मेलन भारतीय वायु सेना के दिवंगत मार्शल अर्जन सिंह को श्रद्धांजलि है, जो युद्ध में भारतीय वायु सेना का नेतृत्व करने वाले पहले प्रमुख थे, वायु सेना प्रमुख होने के नाते उन्होंने 1965 में आधुनिक युग के पहले संघर्ष में कार्रवाई देखी। जब उन्हें भारतीय वायु सेना का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, तब वह मुश्किल से 44 वर्ष के थे, जिसे उन्होंने तड़क-भड़क और जोश के साथ निभाया।

सीएपीएस ने वायु शक्ति के वर्तमान और भावी पीढ़ी के समर्थकों को प्रेरित करने के लिए उनके सम्मान में वार्षिक स्मारक व्याख्यान शुरू करने का निर्णय लिया।

मानसिक स्वास्थ्य, जलवायु

इस दौरान जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य परियोजना समन्वयक अनुषा तिवारी ने राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम पर अपनी प्रस्तुति में जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव के बारे में बताया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न जलवायु संवेदनशील बीमारियों पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला में प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर/एबीडीएम, मिस प्रीति गुरुंग ने भी वक्तव्य रखा। वहीं इस दौरान मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा सत्र भी आयोजित हुआ। इस अवसर पर जिला पंचायत, वार्ड पंचायत के साथ-साथ पाकिम, पारखा, रेनॉक और रेगु बीडीओ भी उपस्थित थे।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR GODAVARI TUESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:3 DrawDate on:18/04/23
1st Prize ₹1 Crore/- 87E 50974
Cons. Prize ₹1000/- 50974 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
04929 33491 52103 62188 66745 75607 76357 82005 91920 92447
3rd Prize ₹450/-
0074 1494 2054 4295 4669 6662 7905 8080 8321 8475
4th Prize ₹250/-
0059 0610 1689 3529 3564 5426 5589 5886 5927 6917
5th Prize ₹120/-
0084 0261 0337 0594 0607 0726 0755 0787 0828 0924
0943 1004 1035 1192 1225 1234 1265 1324 1451 1610
1635 1680 1690 1911 1988 2000 2010 2203 2248 2268
2314 2365 2384 2408 2657 3077 3083 3123 3226 3227
3377 3612 4008 4138 4362 4440 4912 5156 5352 5459
5576 5748 5904 5933 5946 5970 5985 6109 6271 6341
6441 6557 6614 6788 7030 7131 7236 7274 7326 7425
7433 7442 7510 7569 7606 7838 7888 7948 8093 8136
8173 8176 8186 8193 8331 8349 8462 8593 8678 8718
8848 8984 9033 9170 9196 9197 9451 9762 9793 9902
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR WAVE TUESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:3 DrawDate on:18/04/23
1st Prize ₹1 Crore/- 85A 51858
Cons. Prize ₹1000/- 51858 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
06437 07239 16622 18405 40674 47775 51122 61522 91490 93970
3rd Prize ₹450/-
0188 0538 0899 3350 3650 4389 4910 5339 5644 9754
4th Prize ₹250/-
0108 0263 0596 2041 2347 2355 2915 3765 3795 7771
5th Prize ₹120/-
0160 0166 0347 0597 0976 0990 1022 1043 1143 1296
1389 1576 1727 1738 1756 1800 1867 1868 1929 2026
2121 2263 2291 2334 2427 2540 2561 2583 2623 2718
2743 2780 2809 2981 3110 3221 3239 3367 3398 3428
3580 3750 3772 3860 3914 4171 4194 4540 4655 4678
4778 4902 4926 5206 5465 5659 5686 6203 6260 6553
6592 6692 6853 6857 6933 7196 7230 7286 7358 7371
7435 7616 7623 7753 7765 7834 7879 7966 8181 8377
8507 8525 8546 8611 8656 8892 8933 8998 9066 9187
9332 9348 9432 9530 9547 9572 9650 9682 9711 9969
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR GOOSE TUESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:3 DrawDate on:18/04/23
1st Prize ₹1 Crore/- 51E 84592
Cons. Prize ₹1000/- 84592 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
01433 12550 22825 29305 34928 39010 44310 78274 82689 88280
3rd Prize ₹450/-
0136 1024 3788 4039 4466 4933 6286 6537 7025 9009
4th Prize ₹250/-
1113 2247 3920 5169 5411 5699 6033 8125 8128 8384
5th Prize ₹120/-
0010 0151 0188 0503 0576 0580 0807 0915 0944 0964
1212 1216 1284 1614 1672 1694 1720 1951 1960 2347
2554 2671 2724 2802 3006 3126 3159 3305 3377 3384
3483 3513 3551 3594 3730 4187 4203 4304 4369 4570
4635 4657 4855 5029 5130 5153 5392 5403 5651 5673
5685 5766 5876 5899 5970 6189 6318 6377 6388 6436
6445 6791 6874 6920 6984 7009 7174 7217 7291 7300
7477 7485 7488 7581 7672 7693 7728 7832 7867 7990
8002 8020 8044 8218 8226 8491 8935 9182 9252 9291
9314 9371 9503 9535 9593 9710 9711 9757 9880 9912
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

हीट वेव के खतरा

नवी मुंबई में रविवार को महाराष्ट्र भूषण सम्मान समारोह के दौरान लू लगने से 11 लोगों की मौत की खबर परेशान करने वाली है। यह महाराष्ट्र सरकार का कार्यक्रम था। मध्य अप्रैल में होने वाले इस कार्यक्रम का समय दिन में साढ़े 11 बजे से एक बजे के बीच पता नहीं क्या सोच कर रखा गया। ध्यान रहे नवी मुंबई में उस दिन अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रेकॉर्ड किया गया था। इस तापमान में लोगों को कड़ी धूप में बैठे रहना पड़ा। स्वाभाविक ही कार्यक्रम समाप्त होते-होते तक 50 लोगों को लू लगने के कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़ गया।

जाहिर है, हमारी सरकारों को ऐसे मामलों में ज्यादा संवेदनशील होने की जरूरत है। लेकिन मौसम के बदलते मिजाज से उपजे संकटों का दायरा बहुत बड़ा है।

साल-दर-साल गर्म होते जा रहे मौसम से लोगों की जान को तो खतरा बढ़ ही रहा है, इकॉनमी के मोर्चे पर भी चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। भारत में साल 2000 से 2019 के बीच हर साल औसतन 24 दिन हीट वेव वाले रहे, जबकि उससे पहले के 20 वर्षों में औसत आंकड़ा साल में 10 दिनों का ही था। मौसम विभाग के मुताबिक मैदानी इलाकों में जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला जाए, तब हीट वेव की स्थिति बनती है। पहाड़ी इलाकों में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और तटीय इलाकों में 37 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाने पर ऐसी स्थिति बनती है।

आश्चर्य नहीं कि साल 2010 से 2019 के बीच गर्म मौसम से मौतें करीब 30 फीसदी ज्यादा हुईं। इकॉनमी के मोर्चे पर भी हालात कम गंभीर नहीं हैं। नॉर्थ कैरोलाइना की ड्यूक यूनिवर्सिटी में हुई एक रिसर्च के मुताबिक, दिल्ली में जब तापमान बहुत बढ़ जाता है तो हर घंटे 15-20 मिनट काम का नुकसान होता है। रिसर्च के मुताबिक भारत में हर साल गर्मी से 101 अरब मैन आवर का नुकसान होता है। आने वाले वर्षों में हालात और बदतर ही होने वाले हैं। अनुमान है कि 2030 तक गर्मी से काम के घंटों का नुकसान इतना बढ़ जाएगा कि जीडीपी को ढाई फीसदी (करीब 250 अरब डॉलर) तक की चपत लग सकती है। दिक्कत यह भी है कि भारत में वर्कफोर्स का करीब 75 फीसदी हिस्सा ऊंचे तापमान वाली जगहों पर काम करता है।

इसीलिए यह और भी जरूरी है कि बचाव के इंतजाम अभी से शुरू कर दिए जाएं। इसके लिए कामकाज का पैटर्न बदलना और फैक्ट्रियों के भीतर काम करने के हालात में सुधार लाना होगा। चूंकि भारत में बड़ी आबादी को असंगठित क्षेत्र में रोजगार मिला हुआ है, इसलिए छोटी औद्योगिक इकाइयों को सबसिडी देकर उन्हें वर्कप्लेस को बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित करना होगा। शहरों के विकास मॉडल पर भी मौसम के हिसाब से गौर करना होगा। सरकार को इस दिशा में प्रयास तत्काल शुरू कर देने चाहिए।

एक खेल प्रेमी राष्ट्र के रूप में भारत का उत्सव

अंजू बॉबी जॉर्ज

भारत में खेलों के लिए यह एक रोमांचक समय है। भारत के पास हमेशा से खेल प्रतिभाओं का एक होनहार और बड़ा पूल रहा है। जरूरत इस बात की थी कि मौजूदा नीतियों में संशोधन किया जाए और नई नीतियों को लाया जाए जो उनकी जरूरतों और आकांक्षाओं से मेल खाती हों। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, सरकार जमीनी स्तर पर प्रतिभा की पहचान, खेल के बुनियादी ढांचे के निर्माण, एलीट खिलाड़ियों को समर्थन और एक ऐसा इकोसिस्टम बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो देश के खेल परिदृश्य को बदलने के लिए मिशन मोड में है और देश के कोने-कोने से महिलाएं, दिव्यांगजन और युवा सभी के लिए समान अवसर प्रदान करता है। सफलता की गाथाओं के साथ-साथ हर आयु वर्ग के कई खिलाड़ियों के धैर्य, संघर्ष और दृढ़ संकल्प की कहानियों ने प्रधानमंत्री के 'मन की बात' और देश के दिलों में जगह बनाई है।

खेलो इंडिया एक गेम चेंजर रहा है। वास्तव में खेलो इंडिया गेम्स भारत के मिनी ओलंपिक की तरह हो गए हैं। राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता देकर प्रोत्साहित करने से न केवल युवा खिलाड़ियों बल्कि राज्यों को भी अपने स्वयं के मजबूत खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने के लिए बढ़ावा मिला है। देश में एक समग्र खेल संस्कृति के विकास के अलावा, प्रत्येक खिलाड़ी और उनकी प्रगति को जानने में प्रधानमंत्री जो व्यक्तिगत रुचि लेते हैं, वह भी कुछ ऐसा है जो हमारे देश में पहले कभी नहीं देखा गया था। वह अंतिम रवानगी से पहले और एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट/खेल आयोजन के बाद भारतीय दल के साथ बातचीत करना और उन्हें उनकी सफलता या ईमानदारी से किए गए प्रयासों के लिए प्रेरित करते हैं और बधाई देते हैं।

प्रधानमंत्री अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में भी खेलों के बारे में काफी बातें करते हैं। पहले हमारे देश के खेल के क्षेत्र में उपलब्धियों के बारे में कोई भी जानकारी प्राप्त करने के लिए अखबार ही एकमात्र माध्यम था, लेकिन अब अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए जाने से पहले ही हम उनका जश्न मना रहे हैं। कॉमनवेल्थ हो या ओलंपिक जाने वाला भारतीय दल या खेलो इंडिया गेम्स में भाग लेने वाले युवा, 'मन की बात' एक ऐसा मंच बन गया है, जहां खेल के मोर्चे पर देश की उपलब्धियां सामने आती हैं। और आज, जब 'मन की बात' 30 अप्रैल, 2023 को अपना शतक पूरा करने जा रहा है, तो मुझे यकीन है कि इतने सालों में इसके सभी एपिसोड ने एथलीटों के लिए अपनी प्रतिभा को तराशने और एक बेहतर खिलाड़ी के रूप में खेलों के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने के लिए प्रेरणा का काम किया है।

जब मैंने विश्व चैम्पियनशिप के लिए पहला पदक जीता था, तो मेरे साथी खिलाड़ी जिसने भी पदक जीता था, उन्हें अपने देश के राष्ट्राध्यक्ष का फोन आया था, जो स्टेडियम की स्क्रीन पर दिखाया जा रहा था। और मैं सोच रही थी कि मुझे ऐसा मौका कब मिलेगा। इस लिहाज से आज के युवा खिलाड़ी वाकई खुशकिस्मत हैं कि प्रधानमंत्री 'मन की बात' जैसे अहम मंच पर उनके बारे में बात कर रहे हैं। वे उनके व्यक्तिगत हितों को भी अच्छी तरह से जानते हैं और उनके वापस आने पर उन्हें भव्य विदाई दे रहे हैं और उनका सत्कार भी कर रहे हैं। पूरा भारत और खासकर युवा पीढ़ी के लोग इसे देख रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि खेल पदक जीतने और भारत को वैश्विक मानचित्र पर लाने तक ही सीमित नहीं है। यह मुख्य रूप से हमें शारीरिक रूप से फिट, मानसिक रूप से सतर्क और खेल भावना का पोषण करके व्यक्तिगत व्यक्तित्व का विकास करता है। खेल, कुल मिलाकर, एक राष्ट्र के विकास के लिए बहुत महत्व रखता है। वे दिन गए जब लोग केवल क्रिकेट के पीछे भागते थे। आज, प्रत्येक अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजन में भारत की भागीदारी से एक बहुत बड़ा राष्ट्रीय गौरव जुड़ा हुआ है। चाहे वह बैडमिंटन हो, भाला फेंक, हैंडबॉल, या तलवारबाजी, और यहां तक कि मल्लखंब और कलारीपयट्टू जैसे स्वदेशी खेल, आज लोग दुनिया भर में तिरंगे को लहराने वाले खिलाड़ियों के लिए उनकी प्रशंसा में एकजुट हैं।

ओलंपिक 2020 से ठीक पहले, प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के श्रोताओं से चीयर फॉर इंडिया के साथ टोक्यो जाने वाले खिलाड़ियों का समर्थन करने का आग्रह किया, जो बाद में एक अभियान में बदल गया, जिसमें स्कूली छात्रों से लेकर मशहूर हस्तियों तक की भागीदारी देखी गई, जिन्होंने खिलाड़ियों के लिए अपनी शुभकामनाएं भेजीं। यह देखना दिलचस्प है कि एक देश के रूप में हम अपने खिलाड़ियों का जश्न मनाने के विभिन्न तरीके खोज रहे हैं। खेल के मोर्चे पर यह गति भारत के लिए अभूतपूर्व है और खेलों में एक नया जोश भरने के लिए मैं प्रधानमंत्री की आभारी हूं।

परिणाम सबके सामने हैं। टोक्यो ओलंपिक में सात और पैरालिंपिक में 19 पदकों के साथ भारत ने चार दशकों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। भारत ने बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों में 22 स्वर्ण पदक सहित कुल 61 पदकों के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया। प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय थॉमस कप (बैडमिंटन) टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार भारतीय पुरुष टीम ने 14 बार के विश्व चैंपियन इंडोनेशिया को हराकर चैंपियनशिप जीती। डेफलम्पिक्स ब्राजील के लिए भारतीय दल ने 16 पदकों के साथ देश के लिए अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। नई युवा प्रतिभाएं जबरदस्त प्रदर्शन कर रही हैं और पूरा देश उनकी जीत का आनंद उठा रहा है।

'मन की बात' ने एक मंच के रूप में नागरिकों, विशेषकर युवाओं में देश में खेलों के प्रति सामूहिक उत्साह को प्रेरित किया है। 'मन की बात' के कई एपिसोड में प्रधानमंत्री ने युवा पीढ़ी से खेल को अपने जीवन का अहम हिस्सा बनाने की सीधी अपील की है। अपने रेडियो कार्यक्रम के माध्यम से, उन्होंने भारत के समग्र विकास के लिए खेल को एक महत्वपूर्ण पहलू बनाने के लिए सबका प्रयास की भावना पैदा की है और लोग, सरकारें, खिलाड़ियों और संघ मिलकर इस दृष्टि को नए भारत की वास्तविकता बनाने का प्रयास कर रहे हैं। मैं मन की बात के आने वाले 100वें एपिसोड का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं और हमारे प्रधानमंत्री को उन आम लोगों को उनकी बात सुनने के लिए प्रेरित, प्रोत्साहित देख रही हूं, जिन्होंने दूसरों के जीवन में बहुत बड़ा बदलाव किया है।

जलवायु संकट के हालात में आर्थिक जरूरतों को पर्यावरणीय स्थिरता के साथ संतुलित करने की चुनौती

पत्रलेखा चटर्जी

हर कोई यह जानता है कि जलवायु की लड़ाई भारत के बिना सफल नहीं होगी। हर कोई यह भी जानता है कि 1.4 अरब नागरिकों (जिन्हें ऊर्जा की जरूरत है) के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के नाते हमें जीवाश्म ईंधन से खुद को दूर करते हुए मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

आने वाले दिनों में यह कटु सत्य और बेरहम होगा। हो सकता है कि इसको लेकर कठिन संवादों की भी जरूरत पड़े-न केवल समृद्ध देशों या ग्लोबल नॉर्थ में, जो इस गड़बड़ी के लिए बड़ी जिम्मेदारी वहन करते हैं, बल्कि भारत के भीतर भी। उदाहरण के लिए, अमेरिका ने आज तक किसी भी दूसरे देश की तुलना में अधिक कार्बन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन किया है। 1950 तक आधे से अधिक वैश्विक कार्बन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन यूरोप से हो रहा था। पिछले केवल 50 वर्षों में ही दक्षिण अमेरिका, एशिया और अफ्रीका में विकास ने इन क्षेत्रों के कुल योगदान में बढ़ोतरी की है।

लेकिन यह भी सच है कि भारत ग्रीनहाउस गैसों का तीसरा सबसे बड़ा उत्सर्जक है, बावजूद इसके कि यहां प्रति व्यक्ति उत्सर्जन तुलनात्मक रूप से कम है और गरीबों में प्रति व्यक्ति बिजली की खपत अमीरों या यहां तक कि मध्यम वर्ग की प्रति व्यक्ति बिजली खपत के समान नहीं है। बिजली संकट के इस दौर में किसकी जरूरतों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए-शहर या गांव की, किसानों या उद्योगों की जरूरतों को? उन सभी की मांगें प्रतिस्पर्धी हैं। तापमान बढ़ते ही बिजली की खपत भी बढ़ रही है।

केरल में पहली बार दैनिक बिजली की खपत 10 करोड़ यूनिट का आंकड़ा पार कर गई है, क्योंकि अप्रैल में गर्मी का तापमान उच्च रहता है। 13 अप्रैल को केरल की दैनिक ऊर्जा खपत 10.3 करोड़ यूनिट थी, जिसने एक दिन पहले 9.84 करोड़ यूनिट के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया था। केरल राज्य विद्युत बोर्ड (केएसईबी) अगले सप्ताह बिजली की स्थिति की समीक्षा करने वाला है। यह भारत के मात्र एक राज्य का उदाहरण है, पर यह देश के समक्ष आनेवाली बड़ी चुनौतियों का आभास देता है, क्योंकि यह ऊर्जा परिवर्तन से जूझ रहा है। और 2070 तक नेट जीरो तक पहुंचने या कार्बन तटस्थ होने और ग्रीनहाउस गैसों में बढ़ोतरी न करने के साथ यह आर्थिक विकास लक्ष्यों को संतुलित कर रहा है।

जैसे-जैसे देश के बड़े हिस्से में पारा चढ़ता जा रहा है, और अत्यधिक गर्मी के पूर्वानुमान लगाए गए हैं, बिजली को लेकर व्यापक चिंताएं हैं। पिछले साल, जब भारत चिलचिलाती लू की चपेट में था, तो देश में बिजली गुल हो गई थी। इसका कारण था-एसी का बढ़ता इस्तेमाल; कोविड के बाद अर्थव्यवस्था के खुलने से बिजली की मांग में वृद्धि; और यूक्रेन पर रूस के हमले के चलते कोयले की कमी, जिससे अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति बाधित हुई और कीमतें बढ़ीं।

बिजली न रहने की स्थिति में समृद्ध एवं संपन्न परिवारों के लोग तो जेनरेटरों, इनवर्टरों तथा बैकअप के जरिये काम चला लेते हैं, लेकिन उन लोगों का क्या, जिन्हें ये सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं? यह प्रश्न हमें समानता और जलवायु न्याय के सबसे पेचीदा सवाल के आगे खड़ा कर देता है। देश में नवीकरणीय ऊर्जा का हिस्सा बढ़ रहा है।

भारत अभी स्थापित पनबिजली, पवन और सौर ऊर्जा के मामले में दुनिया का चौथा सबसे बड़ा देश है। लेकिन यह देश अब भी अपनी लगभग 70 प्रतिशत बिजली जरूरतों के लिए कोयले पर निर्भर है। सरकार ने अप्रैल से कोयले और तेल से चलने वाले जेनरेटरों को पूरी शक्ति से चलाने का आदेश दिया है। पूरी शक्ति से चलाने का मतलब देश की आर्थिक जरूरतों को पर्यावरणीय स्थिरता के साथ संतुलित करना होगा। भारत ने हरित ऊर्जा में अपनी ऊर्जा जरूरतों का रूपांतरण करना शुरू कर दिया है।

इसने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन जैसी साझेदारी शुरू की है, जिसका उद्देश्य विकासशील देशों में सौर ऊर्जा का निर्माण करना है। इसने हरित हाइड्रोजन को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रीय योजना की भी घोषणा की है और औद्योगिक क्षेत्र के डीकार्बोनाइजेशन (कार्बन रहित करने की प्रक्रिया) में तेजी लाने के लिए राष्ट्रीय ऊर्जा अधिनियम में संशोधन किया है। यह भी स्पष्ट है कि भारत के सामने चुनौतियों की भयावहता को देखते हुए इसे उन विकसित देशों से धन और प्रौद्योगिकी की सहायता की आवश्यकता होगी, जिन्होंने इस समस्या के हल की दिशा में ऐतिहासिक रूप से सबसे अधिक काम किया है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय आरोप-प्रत्यारोप ही इसका एकमात्र उत्तर नहीं है।

हमें देश के भीतर समानता की अन्य बातचीत भी करनी है। गरीब लोगों को, जो प्रति व्यक्ति के आधार पर बहुत कम प्रदूषण फैलाने के लिए जिम्मेदार हैं, इसका खामियाजा सबसे ज्यादा भुगतना पड़ता है। और जब हम 'भारत' की बात करते हैं, तो हमें उन लोगों के बीच अंतर करना चाहिए, जिनमें से एक तरफ कई एयर कंडीशनर, कार वाले लोग हैं, जो दुनिया भर में उड़ान भरते हैं और दूसरी तरफ वैसे गरीब लोग हैं, जो जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इसके लिए हमें स्मार्ट तरीके से सोचने की जरूरत है। उदाहरण के लिए, बढ़ती अत्यधिक गर्मी के साथ क्या हम एयर कंडीशनर से अलग कुछ सोच सकते हैं?

कूल रूफ (ठंडी छत) के बारे में हमारे क्या विचार हैं? भारत और दक्षिण एशिया को अपनी पहली ताप कार्ययोजना देने वाले अहमदाबाद में इसे पहली बार आजमाया गया और वहां की कई अच्छी प्रथाओं को देश में दोहराया जा रहा है। उदाहरण के लिए, तेलंगाना 'कूल रूफ पॉलिसी 2023-2028' पेश करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। संक्षेप में कहें तो, एक 'ठंडी छत' इस तरह से बनी होती है, जो कम गर्मी बरकरार रखती है और पारंपरिक छतों की तुलना में अधिक धूप को प्रतिबिंबित करके ठंडी बनी रहती है।

और क्या हम एक बड़ी एसयूवी की आकांक्षा के बजाय जब भी संभव हो पैदल चल सकते हैं या साइकिल चला सकते हैं और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर सकते हैं? असल में जैसे-जैसे हमारी आय बढ़ी है, हम उपभोक्तावादी वस्तुओं का उपयोग ज्यादा करने लगे हैं और सुविधाभोगी बन गए हैं, जिसके चलते ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बढ़ता जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि हमारी आय बढ़ने के साथ हमारा उपभोग किस दिशा में बढ़ना चाहिए, इस पर विचार करने की जरूरत है।

धर्म के नाम पर क्यों भड़कते हैं शोले

बलबीर पुंज

बीते कुछ वर्षों से हिन्दू पर्वों पर निकलने वाली शोभायात्राओं के दौरान हिंसक हमलों के समाचार तेज हो गए हैं। ऐसा करने वाले कौन हैं, यह सर्वविदित है। परंतु वे ऐसा क्यों कर रहे है? तथाकथित सेक्यूलर विचारक हिंसा के शिकार लोगों को ही दोषी ठहरा रहे है। उनके विचित्र विश्लेषण का सार यह है कि पिछले कुछ दशकों से हिन्दू संगठन, भगवान श्रीराम के सदियों से चले आ रहे शांत और सहिष्णु व्यक्तित्व को एक उग्र रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं- इसके परिणामस्वरूप श्रीराम-हनुमानजी से संबंधित जूलुसों में आक्रमकता दिख रही है और इससे 'आहत' विशेष समुदाय के लोगों को हिंसा हेतु उकसाया जा रहा है।

यह ठीक है कि श्रीराम संबंधित सांस्कृतिक पहचान, 1980 के दशक में प्रारंभ हुए श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के कारण अधिक सार्वजनिक विमर्श में है। परंतु हिन्दू पर्वों पर निकलने वाले जुलूसों या पदयात्राओं पर हमले का इतिहास सदियों पुराना है। संविधान निर्माता डॉ.भीमराव आंबेडकर ने अपनी पुस्तक पाकिस्तान या भारत का विभाजन में हिन्दू-मुस्लिम संबंधों में तनाव के तीन मुख्य कारणों की पहचान की थी, जिसमें उन्होंने- गोहत्या, मस्जिदों के बाहर संगीत और मतांतरण को चिह्नित किया था। बकौल डॉ.आंबेडकर, '...इस्लाम का भ्रातृत्व, सार्वभौमिक भ्रातृत्व का सिद्धांत नहीं है... मुसलमानों के लिए हिन्दू 'काफिर' हैं, और एक 'काफिर' सम्मान के योग्य नहीं। वह निम्न कुल में जन्मा होता है, जिसकी कोई सामाजिक स्थिति नहीं होती। एक 'काफिर' द्वारा शासित देश, मुसलमानों के लिए दार-उल-हरब है।'

गांधी जी ने भी हिन्दू-मुस्लिम के बीच सदियों से चले आ रहे तनाव की विवेचना करने का प्रयास किया था। उन्होंने मजहबी खिलाफत आंदोलन (1919-24) का नेतृत्व करके उसी संकट को दूर करने की कोशिश की थी, जिसकी कीमत हिन्दुओं ने मोपला नरसंहार और कोहाट आदि क्षेत्रों में अपने दमन के रूप में चुकाई। इससे आक्रोशित गांधीजी ने 29 मई, 1924 को यंग इंडिया पत्रिका में मुस्लिमों को 'धौंसिया' और हिन्दुओं को 'कायर' कहकर संबोधित किया और लिखा- '... जिनके घर लूटे गए, वे अपने माल-असबाब की हिफाजत में जूझते हुए वहीं क्यों नहीं मर मिटे? जिन बहनों की बेइज्जती हुई, उनके नाते-रिश्तेदार उस वक्त कहां थे? मेरे अहिंसा धर्म में खतरे के वक्त अपने कुटुम्बियों को अरक्षित छोड़कर भाग खड़े होने की गुंजाइश नहीं है। हिंसा और कायरतापूर्ण पलायन में यदि मुझे किसी एक को पसंद करना पड़ा, तो हिंसा को ही पसंद करूंगा।' स्वाभाविक है कि जब गांधीजी और डॉ. आंबेडकर ने यह विचार रखे थे, तब देश में न तो भाजपा-आरएसएस का अस्तित्व था और ना ही श्रीरामजन्मभूमि की मुक्ति हेतु कोई आंदोलन चल रहा था।

विमर्श बनाया जा रहा है कि देश के कुछ क्षेत्रों में रामनवमी के दौरान भड़की हिंसा, शोभायात्रा निकाल रहे भक्तों द्वारा भड़काऊ नारे के खिलाफ तात्कालिक प्रतिक्रिया थी। 10 अप्रैल को एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय ने रामनवमी पर हिंसा को प्रथम-दृष्ट्या पूर्व नियोजित बताया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम ने कहा, 'एक आरोप है कि छतों से पत्थर फेंके गए। जाहिर है कि 10-15 मिनट के अंदर छत पर पत्थर ले जाना किसी के लिए भी संभव नहीं है।' गत वर्ष जब गुजरात के तीन जिलों में रामनवमी के अवसर पर हिंसा भड़की थी, तब भी पुलिस ने शोभायात्रा से एक दिन पहले खेत में पत्थर इकट्ठा करने और हिंसा के लिए बाहरी लोगों को बुलाने पर तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। वास्तव में, इन प्रायोजित हिंसक घटनाओं का उपयोग मई, 2014 के बाद से उस राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित प्रपंची विमर्श को और अधिक धार देने हेतु किया जा रहा है, जिसमें साक्ष्यों को विकृत करके भारत के बहुलतावादी चरित्र को कलंकित करने और मोदी सरकार के कार्यकाल को मुस्लिम विरोधी प्रचारित करने की मानसिकता है।

श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। उनमें नैतिकता, संयम और पराक्रम का अद्भुत संतुलन है। जहां एक ओर उन्होंने अपने जीवन के कठिन समय में कांटों भरे मार्ग पर चलकर वृद्ध वनवासी माता शबरी के झूठे बेर खाकर अपने विनम्र और सर्वस्पर्शी स्वभाव का परिचय दिया, तो तीन दिन अनुरोध करने के बाद सागर द्वारा लंका जाने हेतु मार्ग नहीं देने पर श्रीराम ने अपना धनुष- 'कोदण्ड' उठा लिया था। भक्तों को उनके किसी भी रूप को चुनने की स्वतंत्रता है। भारत में करोड़ों मुसलमान मस्जिदों के साथ-साथ सार्वजनिक स्थानों पर भी जुमे की नमाज पढ़ते हैं। इस पर शायद ही कभी वैचारिक विवाद खड़ा किया जाता है। यदि किसी संगठन या व्यक्ति विशेष ने मार्ग बाधित करके नमाज पढ़ने का विरोध किया हो, तो तुरंत 'इस्लामोफोबिया' की बात सार्वजनिक विमर्श में आती है। क्या जिस 'काफिर-कुफ्र' की अवधारणा के तहत 1990 के दशक में कश्मीर को उनके मूल निवासियों 'पंडितों' से मुक्त कर दिया गया था, कहीं वही चिंतन तो इन हमलों में प्रेरणा नहीं बन रहा है? इस दिशा में सोचकर गहरा समन्वय बनाने की जरूरत है।

2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें।

आसान और लाभकारी बिजनेस है मत्स्य पालन

कॅरियर के हैं भरपूर अवसर

भारत भर में मत्स्य पालन एक जाना पहचाना व्यवसाय रहा है। कृषि से इसको जोड़कर जरूर देखा जाता रहा है, किंतु हकीकत में यह काफी उन्नत और लाभकारी व्यवसाय है। वर्तमान में कोरोनावायरस के कारण बड़ी संख्या में गांवों की ओर लोगों का पलायन हुआ है। कई लोगों को रोजगार की समस्या भी उत्पन्न हुई है, क्योंकि जमे जमाए व्यवसाय या फिर शहर में करने वाली नौकरी छूटने के बाद लोग गांव की ओर लौटे हैं। गांव में चूँकि अधिकतर लोगों के पास कम-अधिक जमीन होती ही है और ऐसी स्थिति में मत्स्य पालन उन सबके लिए एक लाभकारी व्यवसाय हो सकता है।

तालाब को ठीक से करें तैयार

अक्सर लोग किसी तालाब की खुदाई के बाद तुरंत ही मछली के बीज डाल देते हैं, लेकिन यह ठीक मेथड नहीं है। सबसे पहले तालाब की सफाई करने के बाद उसमें 200 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से चूने का छिड़काव जरूरी है। इसके अलावा महुए की खली और ब्लीचिंग पाउडर डालने से भी मछली पालन के लिए तालाब बेहतर कंडीशन में तैयार हो जाता है। यह सारा कार्य आप ठंड के मौसम में ही कर लें, ताकि ठंड का मौसम बीतते-बीतते मछली का बच्चा डालने योग्य आप का तालाब तैयार हो जाए। साथ ही तालाब में ढैंचा नामक घास भी बोया जाता है, ताकि बाद में वह खाद बन जाए और मछली पालन के लिए उपयुक्त रहे। यह तकरीबन 40 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से तालाब में बोया जाता है। साथ ही गोबर की खाद डालने से भी वनस्पति जल्दी उग जाती है। अगर समय पर तालाब में अच्छी घास नहीं होती है तो गोबर के साथ सुपर फास्फेट और यूरिया का घोल तालाब में डालना लाभकारी हो सकता है। हालांकि मछली का बीज डालने से काफी पहले ही यह कार्य करना चाहिए। मछली का बीज डालने के बाद खाद डालना खतरनाक हो सकता है। उपरोक्त कार्य करने के कम से कम 1 महीने बाद ही तालाब में पानी भरकर, ठंड का मौसम बीतने के बाद मछली का बीज डालें। साथ ही तालाब के पानी की गुणवत्ता और उस में ऑक्सीजन की ठीक मात्रा हो, इसके प्रति अतिरिक्त सजगता आवश्यक है।

मछलियों की ब्रीड पर खास ध्यान दें

अगर आपका तालाब ठीक ढंग से तैयार हो गया है, किंतु मछलियों के बीज आप सही ढंग से नहीं डालते हैं, तो आपके लिए यह लाभकारी नहीं रहेगा। मुख्य रूप से देशी और विदेशी ब्रीड की मछलियां लोग डालते हैं। इसमें देसी में रोहू, कतला, मृगल इत्यादि प्रचलित प्रजातियां हैं, तो विदेशियों में सिल्वर कॉर्प, ग्रास कार्प इत्यादि प्रमुख हैं। कई लोग जब बाहर से मछली लेकर आते हैं तो उसे एक दो परसेंट नमक के घोल में कुछ देरी के लिए रखते हैं, ताकि अगर मछली के बीज में कोई बीमारी है तो उसका असर कम हो जाए। हालांकि यह बहुत देर तक नहीं होना चाहिए और 2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें। अगर एक या दो मछली आपके तालाब में मर जाती हैं, तो उसे तत्काल निकाल कर बाहर करें समय-समय पर बीज की वृद्धि और उसकी जांच करना आपको नुकसान से बचा सकता है। मछलियों के लिए यूं तो किसी विशिष्ट चारे की जरूरत नहीं होती है, खासकर तब जब आप का तालाब पुराना हो गया हो, किंतु चावल का आटा और मूंगफली की खली इत्यादि मछलियों को तेजी से बढ़ाती हैं। इसके अलावा प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा युक्त चारे की मात्रा मछलियों के लिए पर्याप्त रूप से उपलब्ध हो, इसके प्रति भी सजग रहें। ध्यान दें मछली का बीज सही क्वालिटी का हो, तो सही मात्रा में भी अवश्य हो, अन्यथा बाद में मछलियां ठीक ढंग से बढ़ेंगी नहीं।

मार्केट को समझना जरूरी है

अब जब आपके पास मछली के बीज तैयार हो जाते हैं तो आसपास की मार्केट का एक अध्ययन जरूर करें और देखें कि आपके आसपास किस तरह की मछलियों की खपत ज्यादा होती है। लोग आखिर क्या खरीदते हैं?

ऐसे में जब आप मछली मार्केट जाएंगे, तो एक ग्राहक बनकर मछलियों की ब्रीड से लेकर उसकी कीमत तक का पता कर सकते हैं। उसी अनुरूप आप अपनी बिजनेस स्ट्रेटेजी बनाएं। अगर बड़ी मछलियों की खपत अधिक है, तब आपके तलाब में कम मछलियों का बीज रहना चाहिए, जबकि अगर छोटी मछलियों की खपत है तो तालाब में बीज अगर अधिक भी डालेंगे तो आपको फायदा ही होगा। कुल मिलाकर सही टाइम पर मछलियों को बेचना और सही व्यापारियों से संपर्क में रहना आपको लाभ दिला सकता है। कई बार मछली के व्यापारी आपके तालाब पर आकर खुद ही सारी मछलियां ले जाते हैं। हालांकि रेट में अगर ज्यादा डिफरेंस है तो आप मछलियों को खुद भी मार्केट तक पहुंचा सकते हैं।

इसके अलावा कुछ और बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जैसे मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है। मतलब अगर आपके तालाब में कुछ मछलियां बड़ी हो गई हैं और कुछ मछलियां छोटी हैं, तो बड़ी मछलियों को या तो निकाल कर दूसरे तालाब में डालें या उन्हें मार्केट में भेज दें, क्योंकि बड़ी मछलियों का आहार अधिक होगा और वह छोटी मछलियों का चारा भी खा जाएंगी। इसलिए मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है ताकि मछलियों की ग्रोथ में एक निरंतरता रहे। साथ ही मछलियों में इंटरनल और एक्सटर्नल बीमारी के प्रति सजग रहें, अन्यथा आपको पता भी नहीं चलेगा कि कब आपकी पूँजी भारी नुक्सान में बदल गयी। इसके अलावा नई नई जानकारियां आप भिन्न माध्यमों से लेते रहें और अलग-अलग मछली पालकों के संपर्क में रहें। ऐसे में नई चीजें आपको पता चलेंगी।

बहुत क्रिएटिव कॅरियर है कार एसेसरीज डिजाइनिंग

एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

कार एसेसरीज डिजाइनिंग एक ऐसा कॅरियर क्षेत्र है, जिसके बारे में बेहद कम लोगों को ही जानकारी होती है। लेकिन यह एक ऐसा क्रिएटिव कॅरियर क्षेत्र है, जिसमें ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है। यह एक ऑटोमोबाइल डिजाइनर के काम का एक हिस्सा है, लेकिन यह केवल कारों और इसके सामान के लिए पूरा करता है। कार एक्सेसरी डिजाइनर ऐसे व्यक्ति हैं जो कार एक्सेसरीज और पाट्र्स के लिए नए डिजाइन बनाते हैं। वे न केवल देखभाल की संरचना में सुधार करते हैं, बल्कि इसकी कार्यक्षमता भी बढ़ाते हैं। ऐसा करते समय, एक कार एक्सेसरी डिजाइनर को वाहन की सुरक्षा को ध्यान में रखना चाहिए और दिए गए मापदंडों के तहत काम करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इस कॅरियर क्षेत्र के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक कार एसेसरीज डिजाइनर तीन क्षेत्रों में से एक में काम करते हैं- इंटीरियर डिजाइनिंग, एक्सटीरियर डिजाइनिंग या कलर और ट्रिम डिजाइन। वे ड्राइंग, मॉडल और प्रोटोटाइप का उपयोग करके कार एक्सेसरी पाट्र्स, असेंबली और सिस्टम के ड्राफ्टिंग डिजाइन बनाते हैं। उनका मुख्य काम होता है कि वे कार को विजुअली अधिक अपीलींग बनाएं।

स्किल्स - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक कार एसेसरीज डिजाइनर को हाइड्रोलिक, इलेक्ट्रिक और मैकेनिकल सिस्टम के बारे में विस्तृत जानकारी होनी चाहिए जो वाहन में उपयोग होने जा रहे हैं। इसके अलावा उन्हें ग्राहक की पूरी आवश्यकता को समझना चाहिए और डिजाइन और इसके उत्पादन के उपयोग के बारे में बड़े पैमाने पर शोध करना चाहिए। उनके भीतर कुछ अलग व हटकर सोचने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कंप्यूटर व कार का तकनीकी ज्ञान उनके काम को अधिक आसान बनाता है।

योग्यता - एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिस विश्वविद्यालय या कॉलेज से उम्मीदवार अपनी डिग्री हासिल करता है, उसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए।

आमदनी - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व क्रिएटिविटी के आधार पर बढ़ती जाती है। हालांकि एक कार एसेसरीज डिजाइनर की एवरेज सालाना सैलरी सात से आठ लाख के बीच होती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नवी मुंबई
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- एरिना एनिमेशन, बैंगलोर
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, नोएडा
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, चेन्नई
- वीआईडीएम इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- वाईएमसीए इंस्टीट्यूट फॉर ऑफिस मैनेजमेंट, नई दिल्ली

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने के लिए क्या करें?

कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, जैसे- आत्म-जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और करियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। कॅरियर में अर्ध-कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से पेशेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर प्रबंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही आधारित होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट का मुख्य उद्देश्य

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है। लॉजिस्टिक्स प्रबंधन किसी अभियान, योजना, परियोजना या रणनीति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए श्रमिकों, सामग्री और अन्य संसाधनों की खरीद, निष्पादन और नियंत्रण की योजना बनाता है। विनिर्माण और सेवा संगठनों दोनों को ही संचालन प्रबंधन के कार्य की आवश्यकता होती है, जो एक प्रक्रिया को शुरू से लेकर अंत तक कवर करता है। सदियों से विनिर्माण उद्योग फल-फूल रहे हैं। अब सेवा क्षेत्र में तेजी के साथ परिचालन प्रबंधकों के लिए अवसर कई गुना बढ़ गए हैं।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए क्या करें?

अन्य विषयों की तरह प्रबंधन शिक्षा में भी कई विषय होते हैं। प्रबंधन के छात्रों को प्रबंधन के सभी प्रमुख विषयों के अवलोकन के साथ संयुक्त रूप से सामान्य प्रबंधन के तहत विषयों और सिद्धांतों से गुजरना पड़ता है। हालांकि, दो साल की स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा में प्रबंधन की एक विशेष शाखा में विशेषज्ञता का प्रावधान है। प्रबंधन की प्रसिद्ध शाखाओं में विपणन, वित्त, मानव संसाधन आदि शामिल हैं। संचालन प्रबंधन के लिए आपको निम्नलिखित कौशल की आवश्यकता होती है :

- नेतृत्व
- नीति, योजना और रणनीति की समझ
- नीतियों और प्रक्रियाओं को विकसित करने, लागू करने और समीक्षा करने की क्षमता
- बजट, रिपोर्टिंग, योजना और लेखा परीक्षा की देखरेख करने की क्षमता
- आवश्यक कानूनी और नियामक दस्तावेजों की समझ

इसके साथ-साथ आपको इन बातों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता होती है :

- सुनिश्चित करें कि आप सही मेट्रिक्स पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं
- मुख्य समस्याओं को पहचानने के लिए हमेशा डेटा का उपयोग करें
- नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ अप-टू-डेट रहने में विश्वास करें
- स्वचालन से पहले प्रक्रियाओं पर ध्यान दें
- ध्यान से लोगों के साथ कम्यूनिकेट करें

ऑपरेशन्स मैनेजर बनने के लिए आवश्यकता योग्यता

संचालन प्रबंधक के संबंधित क्षेत्र में कम से कम स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। व्यवसाय प्रशासन में स्नातक की डिग्री के साथ, छात्रों को ज्ञान और विपणन योग्य कौशल विकसित करना होता है, जिसे वे अपने कॅरियर के दौरान बना सकते हैं। इसके अलावा, एक संचालन प्रबंधक होने के लिए, किसी के पास मजबूत नेतृत्व और पारस्परिक कौशल, शानदार संचार और ग्राहक की आवश्यकताओं की समझ होनी चाहिए। संचालन प्रबंधक बनने के लिए शैक्षणिक योग्यता निम्नलिखित है :

- विषय संयोजन- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12 वीं कक्षा में कोई भी स्ट्रीम
- उम्मीदवारों के पास 10 + 2 + 3 प्रणाली के माध्यम से योग्यता और किसी भी विषय में न्यूनतम 50% अंकों से उत्तीर्ण के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री होनी चाहिए
- उम्मीदवारों के पास ऑपरेशंस मैनेजमेंट में एमबीए (ऑपरेशंस) या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ऑपरेशनल मैनेजमेंट में मास्टर्स डिग्री का भी बहुत महत्त्व होता है

ऑपरेशन्स मैनेजर के जॉब रोल्स

- सप्लाई चेन मैनेजर
- एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर
- प्लांट मैनेजर
- ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर
- परचेस मैनेजर
- फैसिलिटी मैनेजर
- इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं :

- स्वास्थ्य
- कॉर्पोरेट व्यवसाय
- बहुराष्ट्रीय कंपनियां
- हॉस्पिटैलिटी
- विनिर्माण और खुदरा
- वित्तीय संस्थाए
- बीमा क्षेत्र
- सूचना प्रौद्योगिकी
- ई-कॉमर्स
- वेयरहाउसिंग
- निर्माण
- सलाहकारी फर्में

फैजगंज स्थित इमारत में लगी भीषण आग

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के सदर बाजार स्थित फैजगंज में सुबह एक इमारत में भीषण आग लग गई। इमारत में प्लास्टिक का सामान रखा होने की वजह से देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। मौके पर ऊंची-ऊंची लपटे और काला धुंआ दूर से ही देखा जाने लगे। खबर मिलते ही पुलिस के अलावा दमकल की गाड़ियां वहां पहुंची।

कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। संकरी गालियां होने की वजह से दमकल कर्मियों

को मौके पर पहुंचने में खासी दिक्कत हुई। तीन घंटे बाद ही आग पर काबू पा जा सका। बाड़ा हिन्दूराव थाना पुलिस आग की वजहों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 11.30 बजे उनकी टीम को सूचना मिली थी कि गली नंबर-2, फैजगंज, बहादुरगढ़ रोड में एक इमारत में आग लगी है। यहां आग कुछ दुकानों में लगने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम वहां पहुंची तो आग के तीसरी मंजिल स्थित गोदाम में लगे होने का पता चला।

यहां पर ज्यादातर प्लास्टिक का सामान रखा हुआ था। इससे फोटो फ्रेम बनाने का काम होता था। दमकल की 11 गाड़ियां वहां पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद दोपहर करीब 2.40 बजे आग पर किसी तरह काबू पाया गया। गनीमत यह रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। शार्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस इमारत के मालिक व पड़ोसियों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि छानबीन के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नोएडा में महिला समेत 3 गिरफ्तार, तीन किलो गांजा बरामद

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर की पुलिस ने विभिन्न जगहों से अवैध रूप से मादक पदार्थ बेचने वाले महिला समेत 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि थाना सेक्टर 39 पुलिस ने एक महिला को अवैध रूप

से गांजा बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया है। मीडिया प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार महिला का नाम नूर फातिमा पत्नी आसिफ निवासी सलारपुर है उन्होंने बताया कि महिला काफी दिनों से अवैध रूप से गांजा की पुड़िया बेचने के धंधे में संलिप्त है। उन्होंने बताया कि थाना सूरजपुर पुलिस ने संटू पुत्र सुजीत को गिरफ्तार कर उसके पास से 1 किलो 600 ग्राम गांजा बरामद किया है। उन्होंने बताया कि थाना सेक्टर -20 पुलिस ने शादाब पुत्र मुस्तकीम को गिरफ्तार कर उसके पास से 1 किलो 300 ग्राम गांजा बरामद किया है।

ग्रेटर नोएडा में लिफ्ट में 20 मिनट तक फंसे रहे कई बच्चे

ग्रेटर नोएडा। थाना सूरजपुर क्षेत्र में स्थित शिवालिक होम सोसाइटी में अचानक बिजली जाने से लिफ्ट में करीब 20 मिनट तक कई बच्चे फंसे रहे। पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि शिवालिक होम सोसाइटी में अचानक विद्युत आपूर्ति बंद होने कारण लिफ्ट बंद हो गई थी। जिसमें कुछ बच्चे सवार थे। विद्युत आपूर्ति

बहाल होने पर लिफ्ट चालू हुई तथा बच्चे को सकुशल बाहर निकाला गया। उन्होंने बताया कि बच्चों के परिजनों ने इस मामले में पुलिस से शिकायत की है। पुलिस जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर भाजपा ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार के खिलाफ दिल्ली भाजपा ने शराब नीति में हुए भ्रष्टाचार को लेकर विधानसभा पर प्रदर्शन किया । इस दौरान प्रदर्शन करने आए भाजपा नेता व पदाधिकारियों को सिविल लाइन्स थाने की पुलिस ने रोका तो वे बीच सड़क पर ही मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग करने लगे। भाजपा नेताओं का कहना है कि, दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल शराब नीति मामले में दोषी हैं। इसी कारण सीबीआई ने उनसे रविवार को 9 घंटे पूछताछ की, जिसमें उनसे 56 सवाल किए गए।

उन्होंने कहा कि, दिल्ली के मुख्यमंत्री खुद को ईमानदार बता रहे हैं। इसी का विरोध करने के लिए दिल्ली भाजपा सड़कों पर उतर कर उनके इस्तीफे की मांग कर रही है।

इस मौके पर भाजपा प्रवक्ता डॉ. टीना शर्मा ने कहा कि, दिल्ली के विकास में केजरीवाल बाधा बने हुए हैं। दिल्ली में विकास कार्य नहीं हो रहे हैं और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा नेताओं ने यह भी कहा कि, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का ध्यान दिल्ली में विकास कार्य कराने के बजाए घोटालों पर है। इसलिए दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन और मनीष सिसोदिया जेल में हैं। सीबीआई ने भी इन्हें पूछताछ के लिए बुलाया और जल्द ही मुख्यमंत्री भी सलाखों के पीछे होंगे।

इस बीच भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारी जितेंद्र खत्री ने कहा कि, प्रदर्शनकारी मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में लगातार प्रदर्शन करते रहेंगे। जब तक दिल्ली सरकार के घोटाले उजागर नहीं होंगे, भाजपा कार्यकर्ता इसी तरह सड़कों पर उतरकर उनकी नीतियों का विरोध करते रहेंगे।

गाजियाबाद में दो शातिर मोबाइल लुटेरे गिरफ्तार, लूट के 17 मामले हैं दर्ज

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस ने दो शातिर मोबाइल लुटेरों को गिरफ्तार किया है। यह शातिर बदमाश लुटेरे पिछले 5 सालों से अलग-अलग जिलों में मोबाइल लूट की वारदातों को अंजाम देते हैं। अभी तक मिली जानकारी के मुताबिक इन पर गाजियाबाद के अलग-अलग थानों में 17 मोबाइल लूट के मामले दर्ज हैं। आरोपी दिल्ली के एक इलाके में किराए का कमरा लेकर रहते हैं और गाजियाबाद के कौशांबी खोला और इंदिरापुरम थाने में रेकी कर मोबाइल लूट की घटनाओं को अंजाम देते थे।

नांगलोई में सिलेंडर बलास्ट से ढहा घर आठ लोग गंभीर रूप से घायल

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के नांगलोई इलाके स्थित एक घर में एलपीजी सिलेंडर में ब्लास्ट की वजह से एक तीन मंजिला मकान ढह गया। जिसमें 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को पुलिस और दमकलकर्मी की मदद से बाहर निकाला गया। जिन्हें नजदीक के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना नांगलोई रोड के कुंवर सिंह नगर की गली नंबर 10 के डी ब्लॉक में हुई।

दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि इस घटना की सूचना सुबह करीब 5.15 बजे कंट्रोल रूम को सूचना मिली थी कि एक बिल्डिंग ढह गई है। एलपीजी सिलेंडर में लीकेज की वजह से घटना घटी। मौके पर असिस्टेंट डिविजनल ऑफिसर अमन, स्टेशन ऑफिसर अमित कुमार, लीडिंग फायरमैन सुनील नागर सहित फायरकर्मियों की टीम ने पहुंचकर रेस्क्यू शुरू किया और लोगों को वहां

से निकालकर नजदीक के हॉस्पिटल में भर्ती कराया।

यह बिल्डिंग ग्राउंड तीन मंजिला बनी हुई थी। बताया जा रहा है कि फ्लोर पर सिलेंडर लीक हो रहा था, इसी दौरान किसी ने बिजली का स्विच ऑन कर दिया, जिससे धमाका हुआ और यह बिल्डिंग गिर गई। मौके पर स्थानीय पुलिस और दूसरी एजेंसियों की टीम भी पहुंच गई है। वहीं दूसरी ओर टैगोर गार्डन चार मंजिला इमारत गिर गई। सूचना मिलते ही दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची। यह बिल्डिंग चार मंजिला है जिसमें निजी बैंक के साथ जिम, पार्लर आदि के साथ कई दफ्तर चलते थे। इसमें लगभग 150 लोग काम करते हैं। दोनों घटनाओं में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए दुखद बताया है। उन्होंने एक ट्वीट कर कहा कि, दोनों ही हादसे दुखद हैं। दोनों इलाके के जिला प्रशासन राहत और बचाव के काम में लगे हुए हैं। रेस्क्यू टीम से हम लगातार संपर्क में हैं। प्रभु से सबकी कुशलता की कामना करता हूं।

गाज़ियाबाद में होटल पर पुलिस का छापा, देह व्यापार में लिप्त तीन पुरुष व चार महिलाएं गिरफ्तार

गाजियाबाद। थाना मुरादनगर पुलिस ने ओयो होटल बसंतपुर सैंथली पर छापा मारकर अनैतिक देह व्यापार का पर्दाफाश किया है। पुलिस मामले में तीन पुरुष व चार महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त (ग्रामीण) रवि कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि मुरादनगर के बसंतपुर सैंथली स्थित ओयो होटल में अनैतिक देह व्यापार हो रहा है। सूचना का तत्काल संज्ञान लेकर थाना मुरादनगर पुलिस द्वारा ओयो होटल बसंतपुर सैंथली मुरादनगर पर छापा मारा और से 3 पुरुष व 4 महिलाओं को पुलिस हिरासत में लिया गया। गिरफ्तार लोगों में आदित्य राज त्यागी उर्फ कालू निवासी सागर ,एन्क्लेव ग्राम बसंतपुर सैथली मुरादनगर,गौरव निवासी गांव कोण्ड थाना घरौण्डा जनपद करनाल हरियाणा तथा सूर्या निवासी गांव कोड थाना घरौण्डा जनपद करनाल हरियाणा है। जिनके कब्जे से 3300 रुपये बरामद हुए हैं।

पैसों के विवाद को लेकर हुई कहासुनी में मालकिन और उसके पति पर चाकू से हमला, एक की मौत

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी जिले के शालीमार बाग इलाके में पैसों के विवाद को लेकर हुई कहासुनी के बीच नौकरानी ने अपने पति के साथ मिलकर मालकिन और उसके पति पर चाकू से कई वार किए। वारदात में मालकिन की मौत हो गई, जबकि उसके पति की हालत गंभीर बनी हुई है। वारदात के बाद आरोपित नौकरानी अपने पति के साथ फरार हो गई। पुलिस ने मृतक महिला की बेटी के बयान पर फरार दंपति के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिनकी तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है।

पुलिस ने वारदात की जगह के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी फुटेज को कब्जे में लिया है। आरोपितों को पकड़ने के लिए शालीमार बाग और स्पेशल स्टाफ पुलिस को जिम्मा सौंपा गया है। जानकारी के मुताबिक मृतक महिला की पहचान सोनिया जैन, जबकि उसके घायल पति की पहचान प्रवीण जैन के रूप में हुई है। सोनिया की बेटी ने पुलिस को बताया कि करीब ढाई साल से मां की देखभाल के लिए श्वेता नाम की महिला को नौकरानी के तौर पर काम पर रखा हुआ था।

बीते फरवरी महीने में श्वेता ने किसी कारण से काम छोड़ दिया था।

शनिवार रात करीब साढ़े दस बजे श्वेता अपने पति आकाश को लेकर घर आई थी। उस वक्त मम्मी-पापा टेलीविजन देख रहे थे। वह भी उस वक्त पास में ही थी। श्वेता और उसका पति बातचीत करने लगे। तभी पता चला कि श्वेता का कुछ बकाया था। वह दोनों के लिए चाय बनाने के लिए चली गई। चाय बनाते वक्त उसका और मम्मी के चिल्लाने की आवाज आई। जब वह कमरे में पहुंची तो देखा कि श्वेता मम्मी को नीचे गिराकर ऊपर से दबोचे हुई थी। जबकि उसका पति आकाश चाकू से मम्मी पर लगातार वार कर रहा था। पापा ने जब मम्मी को बचाने की कोशिश की आकाश ने पापा पर भी उसी चाकू से कई वार किए। पापा-मम्मी दोनो फर्श पर लहू से लथपथ हालात में अधमरी हालात में गिर गए। उसकी चीख सुनकर दोनों आरोपित उसकी तरफ चाकू लेकर भागे। वह किसी तरह से कमरे में घुस गई और

पुलिस ने वारदात की जगह के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी फुटेज को कब्जे में लिया है। आरोपितों को पकड़ने के लिए शालीमार बाग और स्पेशल स्टाफ पुलिस को जिम्मा सौंपा गया है।

दरवाजा बंद कर लिया और जोर जोर से चिल्लाने लगी। आवाज सुनकर पड़ोसी तुरंत मौके पर पहुंचे।

पड़ोसियों के आने से पहले दोनों आरोपित वहां से भाग गए। पुलिस को वारदात की सूचना दी। जिन्होंने मौके पर पहुंचकर दोनों को तुरंत बाबू जगजीवन राम अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने मम्मी को मृत घोषित कर दिया, जबकि पापा की हालत गंभीर बताई।

गाजियाबाद में जूते को लेकर छिड़ा विवाद, मारपीट में 2 लोग घायल

गाजियाबाद। गाजियाबाद में जूते को लेकर गोली चल गई। बात इतनी बड़ी की मारपीट में 2 लोग घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। सवाल यह है कि यह घटना जहां हुई है। घटनास्थल से थोड़ी दूर पर ही पुलिस पिकेट रहती है और ये गाजियाबाद का पॉश मार्केट है और कुछ दूरी पर

ही पुलिस पिकेट है तो फिर इस घटना को अंजाम देते दबंग कैसे फरार हो गए यह है। ये है गाजियाबाद का पॉश मार्केट गांधीनगर। यही है ये शू स्टूडियो। इसी दुकान में में जूते लेने आए दो युवकों के साथ विवाद हो गया। उसके बाद आरोप है उन्होंने आसपास से काफी लोग इकट्ठे कर लिए उसके बाद फायरिंग भी की और मारपीट भी की। जिसमें दुकान में काम करने वाले दो लड़के घायल हो गए। वहीं इस घटना से हड़कंप मच गया और मौके पर पुलिस पहुंची। इस मामले में पुलिस अब सभी बिंदुओं पर जांच की बात कह रही है।

नोएडा में पुलिस चौकी के सामने ही बाइक पर स्टंटबाजी, 18 हजार 500 का हुआ चालान

नोएडा। नोएडा में स्टंटबाजी का एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में एक बाइक सवार नोएडा के फेज-2 स्थित ककराला पुलिस चौकी के सामने ही स्टंट कर रहा है। वो पहले बाइक को लहराते हुए चौकी के सामने से निकलता है इसके बाद एक पहिए पर बाइक चला रहा है।

इसका दूसरा साथी वीडियो बना रहा है। वीडियो की रील बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया। गाड़ी नंबर के आधार पर ट्रैफिक पुलिस ने बाइक का चालान किया है। वीडियो वायरल होते ही ट्रैफिक पुलिस ने गाड़ी नंबर के आधार पर जांच पड़ताल की। वीडियो सही मिलने पर गाड़ी नंबर यूपी 16 डीके 8851 के आधार पर

18 हजार 500 रुपए का चालान किया गया है। बाइक चलाने वाले स्टंटबाज की तलाश की जा रही है। इससे पहले भी नोएडा में बाइक पर स्टंट करने के कई वीडियो वायरल हुए थे। लेकिन चौकी के सामने स्टंट करने का ये वीडियो पहली बार सामने आया है।

वीडियो 14 सेकेंड का है। काले रंग की बाइक पर एक युवक बिना हैल्मेट पहले चौकी के सामने से बाइक लहराता है। फिर स्टंट करता है। इसे रील में स्लो मोशन में डाला गया। बाइक स्वामी के पिता का नाम इकबाल है। डीसीपी ट्रैफिक अनिल कुमार यादव ने कहा कि जारी निर्देशों के तहत स्टंटबाजी करने वालों के विरूद्ध अब और सख्ती बरती जाएगी। वाहनों से स्टंट करने वाले व्यक्तियों का नियमानुसार चालान तो होगा ही साथ ही आरसी व डीएल को निरस्त करने की कार्यवाही भी की जाएगी।

नोएडा में किसान के दो हत्यारों को आजीवन कारावास का सजा

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर न्यायालय ने किसान की गोली मारकर हत्या करने वाले दो आरोपितों दलेलगढ़ गांव के रहने वाले जीते गुर्जर व गिरधरपुर के लीलू उर्फ लीले गुर्जर को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दोनों पर नौ हजार का अर्थदंड लगाया गया है। अर्थदंड नहीं देने पर दोनों को एक महीने का अतिरिक्त कारावास भूगतना होगा। केस की सुनवाई विशेष न्यायाधीश एससी-एसटी एक्ट ज्योत्सना सिंह की अदालत में हुई। जनपद गौतमबुद्ध नगर न्यायालय के विशेष लोक अभियोजक श्याम सिंह चौधरी ने बताया कि 12 अप्रैल 2013 को दनकौर में किसान भरती सिंह जाटव

की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। भरती को जीते व लीलू हत्या से पूर्व उसको अपने साथ घर से बुलाकर ले गए थे। घटना वाले दिन देर शाम किसान का शव दनकौर के बिलासपुर में खेत में मिला था जांच में पता चला कि उसकी गोली मारकर हत्या की गई थी। मृतक के परिवारजनों की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर इस घटना को अंजाम देने के आरोप में जीते व लीलू को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने जांच के बाद दोनों के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। उन्होंने बताया कि केस की सुनवाई के दौरान 13 गवाह पेश हुए। कोर्ट में गवाही के दौरान गवाहों ने बताया कि लीलू पूर्व में किसान के भाई की पत्नी को भगा कर ले गया था। कुछ दिन बाद महिला खुद से वापस घर आ गई थी। इस बात को लेकर दोषी किसान से रंजिश मानते थे। इसी रंजिश में हत्या की घटना को अंजाम दिया गया था। सजा सुनाए जाने के बाद दोनों दोषी जीतू व लीलू को न्यायिक अभिरक्षा में लेकर जेल भेज दिया गया है।

मेयर के लिए फिर होगी 'जंग', आप के बाद बीजेपी प्रत्याशी शिखा राय ने दाखिल किया नामांकन

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के मेयर चुनाव में भाजपा ने प्रत्याशी उतारने को लेकर मंगलवार को स्थिति स्पष्ट कर दी है। पार्टी की ओर से इस बार शिखा राय को मेयर पद का उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा के प्रत्याशी उतारने के बाद अब 26 अप्रैल को होने वाले मेयर - उप मेयर के चुनाव में एक बार फिर आम आदमी पार्टी से जंग देखने को मिलेगी। भाजपा की ओर से शिखा राय ने नामांकन पर्चा भी भर दिया है। वहीं, सोनी राय ने उप महापौर पद के लिए नामांकन किया है। नामांकन दाखिल करने के बाद शिखा राय ने कहा, 'मुझे प्रत्याशी बनाने के लिए प्रदेश नेतृत्व का धन्यवाद। मैं सभी पार्षदों से संपर्क करूंगी। सभी के सामने अपनी प्रोफाइल रखूंगी। सभी पार्षद से वोट मांगूगी।'

इससे पहले प्रत्याशी घोषित करने और न करने को लेकर भाजपा में सोमवार देर रात तक मंथन चलता रहा। इस दौरान भाजपा के ज्यादातर पदाधिकारी मेयर व उप मेयर प्रत्याशी उतारने के पक्ष में थे, जिसके बाद आज यह एलान किया गया है।मंगलवार ही नामांकन का आखिरी दिन है। इसलिए पांच बजे से पहले संभावना है कि भाजपा अपने प्रत्याशियों के नामांकन कर दे। गौरतलब है कि पिछली बार भाजपा ने रेखा गुप्ता को मेयर और कमल बांगड़ी को उप मेयर प्रत्याशी बनाया था। बता दें कि इससे पहले कल यानी सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) ने मेयर के लिए शैली ओबेराय और उप मेयर के लिए आले मोहम्मद के नाम का एलान किया है। पहले आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने सोमवार सुबह की एक प्रेसवार्ता में दोनों को पुन- प्रत्याशी बनाए जाने की घोषणा की और करीब 11.30 बजे निगम मुख्यालय सिविक सेंटर पहुंचकर डा. शैली ओबेराय का मेयर और आले मोहम्मद इकबाल का उप मेयर पद के लिए नामांकन कराया।

समान न्यायिक संहिता की मांग वाली जनहित याचिका खारिज, दिल्ली हाईकोर्ट ने विचार करने से किया इनकार

नई दिल्ली। समान न्यायिक संहिता पर एक बनाने के संबंध में विधि आयोग को निर्देश देने की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर विचार करने से दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को इनकार कर दिया।मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा व न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की पीठ ने कहा कि इसी से जुड़ी एक याचिका सितंबर-2022 में सुप्रीम कोर्ट खारिज कर चुका है और शीर्ष अदालत ने मामले को हाई कोर्ट में दाखिल करने की याचिकाकर्ता को स्वतंत्रता भी नहीं दी है।अदालत का रुख देखते हुए याचिकाकर्ता व भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। इस पर अदालत ने याचिका वापस लेने की अनुमति देते हुए इसे खारिज कर दिया।

भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय ने याचिका दायर करके कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट, इलाहाबाद हाई कोर्ट में उपयोग किए जाने वाले न्यायिक शब्दों, संक्षिप्त रूपों, मानदंडों, वाक्यांशों, अदालती शुल्क और केस पंजीकरण प्रक्रियाओं की तुलना में भारी अंतर पाया। उपाध्याय ने साथ ही अन्य उच्च न्यायालयों के परामर्श से रिपोर्ट तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति के गठन की मांग की है।

राजस्थान रॉयल्स की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा लखनऊ सुपरजाइंट्स को

जयपुर (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में अब तक उतार-चढ़ाव वाला प्रदर्शन करने वाली लखनऊ सुपरजाइंट्स की टीम को अगर जीत की राह पर लौटना है तो उसे अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले मैच में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। लखनऊ की टीम ने अभी तक तीन मैच जीते हैं जबकि दो मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा। उसके पास प्रतिभा की कमी नहीं है लेकिन उसके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है। पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में लखनऊ की टीम बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी जिससे आखिर में वह 10 से 15 रन कम बना पाई।

कप्तान केएल राहुल ने 56 गेंदों पर 74 रन बनाकर फॉर्म ने वापसी की जो कि टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। उसके बल्लेबाजों को हालांकि बीच के ओवरों में रन बनाने पर ध्यान देना होगा। लखनऊ के पास काइल मायर्स, निकोलस पूरन और मार्कस स्टोइनिस के रूप में अच्छे पावर हिटर हैं लेकिन उसके बल्लेबाज अच्छी साझेदारी नहीं निभा पा रहे हैं। इसके अलावा दीपक हुड्डा का रन नहीं बना पाना भी टीम के लिए चिंता का विषय है। पंजाब के खिलाफ लखनऊ में प्रतिभाशाली रवि बिश्नोई को देर से गेंद सौंपने की गलती की। बिश्नोई अपनी गुगली से बल्लेबाजों को गच्चा देने में माहिर हैं और कप्तान राहुल को डेथ ओवरों की बजाय बीच के ओवरों में उनका इस्तेमाल करना चाहिए। टीम के दो अन्य स्पिनर कृष्णप्पा गौतम और क्रुणाल पंड्या अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं।

मार्क वुड और आवेश खान के रुप में लखनऊ के पास अच्छे तेज गेंदबाज हैं। पंजाब के खिलाफ युद्धवीर सिंह चरक ने भी अपना प्रभाव छोड़ा। लखनऊ के लिए हालांकि राजस्थान से पार पाना आसान नहीं होगा जिसने लगातार तीन मैचों में जीत दर्ज करके अंक तालिका में पहला स्थान हासिल किया है। राजस्थान के पास मजबूत बल्लेबाजी क्रम है जिसमें यशस्वी जायसवाल, जोस बटलर और संजू सैमसन ने टीम के शीर्ष क्रम में बहुत अच्छी भूमिका निभाई है। बटलर ने

अभी तक टीम की तरफ से सर्वाधिक 204 रन बनाए हैं जबकि जायसवाल के नाम पर 136 रन दर्ज हैं।

गुजरात टाइटंस के खिलाफ पिछले मैच में यह दोनों सलामी बल्लेबाज नहीं चल पाए थे और ऐसे में कप्तान सैमसन और वेस्टइंडीज के धाकड़ बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर ने अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा कर टीम को जीत दिलाई थी। देवदत्त पडिक्कल ने भी आक्रामक पारी खेली लेकिन रियान पराग मौके का फायदा उठाने में नाकाम रहे। राजस्थान का गेंदबाजी आक्रमण काफी मजबूत है जिसमें युजवेंद्र चहल, एडम जंपा और रविचंद्रन अश्विन जैसे दुनिया के नामी स्पिनर शामिल हैं। उसके पास ट्रेंट बौल्ट जैसा मारक तेज गेंदबाज है जबकि संदीप शर्मा अपने अनुभव का अच्छा उपयोग कर रहे हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

लखनऊ सुपर जायंट्स: केएल राहुल (कप्तान), काइल मेयर्स, दीपक हुड्डा, कुणाल पंड्या, अमित मिश्रा, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), नवीन उल हक, आयुष बडोनी, आवेश खान, करण शर्मा, युद्धवीर चरक, यश ठाकुर, रोमारियो शेफर्ड, मार्क वुड, स्वप्निल सिंह, मनन वोहरा, डेनियल सैम्स, प्रेरक मांकड़, कृष्णप्पा गौतम, जयदेव उनादकट, मार्कस स्टोइनिस, रवि बिश्नोई, मयंक यादव।

राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान), अब्दुल बसिथ, मुरुगन अश्विन, रविचंद्रन अश्विन, केएम आसिफ, ट्रेंट बोल्ट, जोस बटलर, केसी करियप्पा, युजवेंद्र चहल, डोनोवन फरेरा, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, ओबेड मैककॉय , देवदत्त पडिक्कल, रियान पराग, कुणाल सिंह राठौर, जो रूट, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन, आकाश वशिष्ठ, कुलदीप यादव, एडम ज़म्पा।

जोकोविच का बांजा लूका में पहला मुकाबला एशचे से

बांजा लूका (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच गत सप्ताह मोंटे कार्लो मास्टर्स में मिली हार से उबरकर अब बांजा लूका जीत दर्ज करना चाहते हैं। जोकोविच को इस टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता मिली है। जोकोविच का पहला मुकाबला यहां फ्रांस के लूका वान एशचे के खिलाफ होगा। एशचे ने विश्व में तीसरी वरीयता प्राप्त स्टेनिस्लास वावरिंका को 1-6, 7-6(4), 6-4 से हराया है।

मोंटो कार्लों में मुसेटी से हारने के बाद भी जोकोविच के लिए यह सत्र अच्छा रहा है। उनका इस सत्र में हार और जीत का रिकार्ड 16-2 है। उन्होंने एडिलेड और ऑस्ट्रेलियाई ओपन में खिताब जीते हैं। एटीपी टूर पर 93 बार खिताब जीत चुके जोकोविच यदि इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचते हैं तो वह 1050 टूर लेवल मैच जीत लेंगे। ओपन युग में केवल चार खिलाड़ियों के नाम ही यह उपलब्धि है। इसमें जिमी कोनर्स (1,274), रोजर फेडरर (1,251), राफेल नडाल (1,068) और इवान लैंडल(1,068) शामिल हैं। इस सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा कि उन्हें बोस्निया का माहौल पसंद है। वह दशक से अधिक समय बाद इस देश में आर रहे हैं। जोकोविच ने कहा, यहाँ आना अच्छा लगता है। मैं बांजा लूका में पहले भी कई बार आ चुका हूं। एक बार राष्ट्रपति से मिलने और मैडल ऑफ ऑनर प्राप्त करने तथा दूसरी बार 2009 में, मैंने तब विक्टर ट्रोइकी के साथ एक इंडोर केंद्र में प्रदर्शनी मैच खेला था। उन्होंने कहा, इसलिए मुझे ये यात्राएं अच्छी तरह याद हैं। गत दिवस अभ्यास के दौरान यह स्पष्ट था कि उन्होंने स्थानीय दर्शकों को खुश कर दिया है जो उन्हें देखने आये थे।

कैपिटल्स के पास अब भी वापसी का अवसर : गांगुली

बेंगलुरू (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली ने अपनी टीम का मनोबल बढ़ाते हुए कहा है कि उसे पांच मैचों में मिली हार से उबरकर बचे हुए नौ मैच जीतने पर ध्यान देना चाहिये। गांगुली के अनुसार टीम अब भी जीत के साथ ही वापसी कर सकती है। दिल्ली को अपने पिछले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इसी के साथ ही टीम अंकतालिका में सबसे नीचे खिसक गयी है।

गांगुली ने एक वीडियो में कहा कहा, हमें हार को पीछे छोड़ने की जरूरत है। कप्तान पर ही आधारित न रह, एक दूसरे के साथ सहयोग कर हम अगले मैच में नए सिरे से वापसी करेंगे। हम अब ओर नीचे नहीं जा सकते बल्कि ऊपर ही आ सकते हैं। अभी भी 9 मैच बचे हैं जिनमें हम जीत हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करते हैं या क्वालीफाई नहीं करते हैं, इस स्तर पर यह हमारे लिए इतना मायने नहीं रखता है पर आइए अंदर देखें, अपने लिए खेलें, अपने गौरव के लिए खेलें और देखें कि क्या हम वहां पहुंच सकते हैं।

गांगुली ने टीम से यह भी कहा कि परिणाम जो दिखाते हैं, टीम उससे कहीं अच्छी है। उन्होंने कहा, अभी मैदान पर जो कुछ हो रहा है, हम उससे कहीं बेहतर टीम हैं। बस एक मैच रुख बदल सकता है। जिसमें हम सफल भी रहेंगे। साथ ही कहा कि कप्तान डेविड वार्नर पर भरोसा कायम रखें। टीम एकजुट होकर कप्तान के साथ मिलकर वापसी करे।

अलग-अलग समय पर विभिन्न खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन से जीत रही रॉयल्सः बोल्ट

अहमदाबाद (एजेंसी)। तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट के अनुसार इस बार आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की सफलता का रहस्य अलग-अलग समय पर विभिन्न खिलाड़ियों का टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना रहा है। बोल्ट ने कहा कि यह टीम का सकारात्मक पक्ष भी रहा है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में एक समय लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम मुश्किल स्थिति में थी पर ऐसे में कप्तान संजू सैमसन और शिमरोन हेटमेयर ने अर्धशतक लगाकर उसे संभाला।

बोल्ट ने कहा, '' हमारी टीम में कुछ बेहद प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं और मुझे लगता है कि असली सकारात्मक यह है कि अलग-अलग समय पर विभिन्न खिलाड़ियों ने टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है। '' इस तेज गेंदबाज ने कहा, '' जोस बटलर हमारे लिए एक अहम खिलाड़ी है। इस मैच में उनके विफल होने पर अन्य खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से टीम को जीत दिलायी।

बोल्ट ने कहा, ''कप्तान सैमसन ने गुजरात के खिलाफ मैच में बल्लेबाजी के दौरान कठिन हालातों में बहुत दबाव झेला। उसने खेल को आगे बढ़ाने का प्रयास किया और टीम को वापसी करायी। उसे इस दौरान दूसरे खिलाड़ियों का अच्छा साथ मिला।''उन्होंने बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाने के लिए स्पिनर आर अश्विन, युजवेंद्र चहल और एडम जम्पा के साथ ही तेज गेंदबाज संदीप शर्मा के पदर्शन को भी सराहा। बोल्ट ने कहा, '' स्पिनरों के कारण हम मैच में वापसी करने में सफल रहे। आईपीएल में इस बार राजस्थान रॉयल्स अंक तालिका में शीर्ष पर है।

अगले साल भी आईपीएल खेल सकते हैं धोनी : मोईन

मुंबई (एजेंसी)। सुरेश रैना और कई अन्य क्रिकेटरों के बाद अब इंग्लैंड के अनुभवी स्पिन ऑलराउंडर मोईन अली ने भी कहा है कि चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अगले साल भी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 टूर्नामेंट में खेल सकते हैं। मोईन के अनुसार धोनी अभी फिट हैं और वह अगले साल भी खेलते हुए नजर आ सकते हैं। वहीं अटकलें हैं कि 40 की उम्र के धोनी इस सत्र के बाद आईपीएल को भी अलविदा कह देंगे। धोनी अब भी अपनी बल्लेबाजी, विकेटकीपिंग और कप्तानी से छाये हुए हैं और युवाओं को भी टक्कर देते नजर आते हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी कर टीम को जीत के करीब पहुंचाया था। मोईन ने कहा, ''वह निश्चित रूप से अगले साल खेल सकते हैं।'' इस ऑलराउंश्र ने कहा, ''जिस तरह से वह खेल रहे हैं, मुझे नहीं लगता कि उनकी बल्लेबाजी उन्हें इससे रोकेगी। वह अगले दो या तीन साल तक और खेल सकते हैं।'' राजस्थान के खिलाफ उनकी बल्लेबाजी देख कर मुझे हैरानी नहीं हुई थी। मैं उन्हें नेट सत्र में देखता हूं और वह काफी अच्छी बल्लेबाजी करते नजर आते हैं।' वह काफी फिट और जुनून से खेलते नजर आते हैं।

अर्जेंटीना 2023 में फीफा अंडर 20 विश्व कप की करेगा मेजबानी

जेनेवा ।अर्जेंटीना, इंडोनेशिया के स्थान पर फीफा 2023 अंडर-20 विश्व कप की मेजबानी करेगा। इंडोनेशिया को फीफा ने इसकी मेजबानी करने से हटा

दिया है। विश्व फुटबॉल शासी निकाय ने यह घोषणा की।फीफा परिषद के ब्यूरो ने अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) द्वारा बाद की बोली प्रस्तुत करने के बाद अपने फैसले की पुष्टि की और फीफा प्रतिनिधिमंडल ने पिछले सप्ताह दक्षिण अमेरिकी देश का निरीक्षण भी किया था। फीफा अंडर-20 विश्व कप 20 मई से 11 जून तक शुरू होगा और ऐसा पहली बार होगा जब अर्जेंटीना 2001 के बाद इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। फीफा अंडर-20 विश्व कप का आधिकारिक ड्रॉ 21 अप्रैल को ज्यूरिख में फीफा के मुख्यालय में होगा।

गरीब क्रिकेटरों के लिए होस्टल बना रहे रिंकू

नई दिल्ली ।बेहद कठिन हालातों के बीच निकलकर क्रिकेट में नाम कमाने वाले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बल्लेबाज रिंकू सिंह अब उभरते हुए गरीब क्रिकेटरों की सहायता के लिए एक होस्टल बना रहे हैं।रिंकू के इस होस्टल में वे युवा क्रिकेटर रह सकेंगे जो बाहर रहने का खर्च नहीं उठा सकते।रिंकू ये होस्टल अलीगढ़ में बनवा रहे हैं।रिंकू के बचपन के कोच मसूदज जफर अमिनी ने कहा, वह हमेशा ऐसे युवा खिलाड़ियों के लिए एक हॉस्टल बनाना चाहता था, जिनके पास अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए पैसे नहीं थे।अब रिंकू आर्थिक रूप से मजबूत हो गया है।इसलिए उसने आर्थिक तंगी से गुजरने वाले युवाओं के सपने को पूरा करने का फैसला किया है। इस हॉस्टल में 14 कमरे रहेंगे।इसके हर कमरे में 4 खिलाड़ियों के रहने की सुविधा रहेगी।साथ ही साथ ही इसमें एक शेड और मंडप भी बनाया जा रहा है। अलग वॉशरूम भी बन रहे हैं।कैंटीन की व्यवस्था भी अंदर ही की जा रही है।इस पर करीब 50 लाख रुपए खर्च होंगे और ये पूरा खर्च रिंकू द्वारा उठाया जा रहा है।रिंकू ने केकेआर में शामिल होने से पहले लगभग तीन महीने पहले इसका काम शुरू कराया था।इस हॉस्टल का करीब 90 फीसदी काम पूरा हो है।अगले महीने तक यह बनकर तैयार हो जाएगा।रिंकू जैसे ही आईपीएल से लौटेंगे तो इसका उद्घाटन करेंगे।

न्यूजीलैंड ने तीसरे टी20 में पाक को 4 रनों से हराया

लाहौर (एजेंसी)। यहां के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गये तीसरे टी20 मैच में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 4 रनों से हरा दिया। इस मैच में मेहमान टीम न्यूजीलैंड ने टॉम लैथम के अर्धशतक 64 रनों और गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से यह जीत हासिल की। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 163 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पाक टीम 159 रन ही बना पायी। न्यूजीलैंड ने इस जीत के साथ ही सीरीज जीतने की अपनी उम्मीदों को बनाये रखा है। मेजबान टीम इस समय 2-1 से आगे है। इस मैच में जीत के लिए 165 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाक की शुरुआत अच्छी नहीं रही। एडम मिलने ने कप्तान बाबर आजम

को एक रन पर ही पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद मोहम्मद रिजवान भी 6 रन बनाकर आउट हो गये। पाक की आधी टीम 55 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयी। इसके बाद फखर जमान 17, साएम अय्यूब 10 और इमाद वसीम 3 रन बनाकर कीवी गेंदबाजों का शिकार बने।

इसके बाद शाहीन अफरीदी 6 रन और शादाब खान 16 रन पर पेवेलियन लौटे। इफ्तिखार अहमद ने 60 और फहीम अशरफ ने 27 रन बनाये। इन दोनो ने ही आठवें विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी करके पाका को संभालने का प्रयास किया। इसके बाद मैट हेनरी ने अशरफ को मिचेल के हाथों कैच आउट कराकर पाक की उम्मीदें तोड़ दीं। पाक को अंतिम ओवर में जीत के लिए 15 रन की जरुरत थी पर उसके अंतिम दो बल्लेबाज से रन नहीं बना पाये।

लिवरपूल ने लीड्स को 6-1 से करारी शिकस्त दी

लीड्स।लिवरपूल ने लीड्स को 6-1 से करारी शिकस्त देकर इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में पिछले पांच मैचों में अपनी पहली जीत दर्ज की।लिवरपूल ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 7-0 से करारी शिकस्त देने के बाद पिछले छह सप्ताह में प्रीमियर लीग में कोई मैच नहीं जीता था।कोडी जोकपा ने लिवरपूल की तरफ से पहला गोल किया।इसके बाद मोहम्मद सालाह और डिएगो जोटा ने दो-दो गोल दागे।स्थानापन्न खिलाड़ी डार्विन नुनेज ने टीम की तरफ से छठा और अंतिम गोल किया।लिवरपूल ने चार गोल दूसरे हाफ में किए।लीड्स के लिए एकमात्र गोल दूसरे हाफ के शुरू में लुइस सिनिस्टररा ने किया।लिवरपूल के इस जीत से 31 मैचों में 47 अंक हो गए हैं और वाह आठवें स्थान पर बना हुआ है।लीड्स 16वें स्थान पर है।उसके 31 मैचों में 29 अंक हैं।

लखनऊ सुपरजायंटस और सीएसके मैच अब तीन मई को होगा

-निकाय चुनावों के कारण हुआ बदलाव

लखनऊ ।आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंटस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच होने वाले मैच का कार्यक्रम बदल गया है।अब ये मैच इकाना स्टेडियम में चार मई की जगह एक दिन पहले तीन मई को खेला जाएगा। यह बदलाव नगर निकाय चुनावों को देखते हुए किया जा रहा है।तय कार्यक्रम के अनुसार ये मैच चार मई को तय था पर लखनऊ में नगर निकाय चुनाव के लिए मतदान के चलते इस मैच को बदलना पड़ा।इस बात को लेकर पहले ही अटकलें लगायी जा रहीं थी जो सही निकली हैं। सोमवार देर रात इस मैच का नया कार्यक्रम जारी होने से क्रिकेट प्रेमियों के बीच संशय हट गया।इस मैच को लेकर दर्शक बेहद उत्साहित हैं।इस मैच को लेकर लखनऊ के क्रिकेट प्रशंसक उत्साहित हैं क्योंकि इस मैच में उन्हें महेन्द्र सिंह धोनी को भी देखने का अवसर मिलेगा।यह मैच दोपहर 3:30 बजे से खेला जाएगा।धोनी को पहली बार लखनऊ में चौके छक्के लगाते हुए लोग करीब से देखना चाहते हैं।इस मैच के टिकट पेटीएम इनसाइडर से ऑनलाइन बुक किये जा सकते हैं।इसके अलावा कई ओर स्थलों से भी इन टिकटों को ऑनलाइन बुक किया जा सकता है।

मैक्सवेल ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स के बाएं हाथ के बल्लेबाजों ने छोटी बाउंड्री का फायदा उठाया

बेंगलुरु। (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के हरफनमौला खिलाड़ी ग्लेन मैक्सवेल का मानना है सोमवार को उनकी टीम के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बाएं हाथ के बल्लेबाजों ने छोटी बाउंड्री का फायदा उठाया। चेन्नई सुपर किंग्स ने बड़े स्कोर वाले इस मैच को आठ रन से जीता। चेन्नई ने बायें हाथ के तीन बल्लेबाजों ने इस मैच में अहम योगदान दिया। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे (45 गेंदों में 83 रन), मध्यक्रम के बल्लेबाज शिवम दुबे (27 रन पर 52 रन) और मोईन अली (नौ गेंद पर नाबाद 19 रन) की आक्रामक पारियों से टीम छह विकेट पर 226 रन बनाने में सफल रही। आरसीबी की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 218 रन ही बना सकी।

इस मैच में 36 गेंद में 76 रन की ताबड़तोड़ पारी खेलने वाले मैक्सवेल ने कहा, ''मुझे लगता है कि छोटी सीमा रेखा (चिन्नास्वामी स्टेडियम में) का फायदा उनके वामहस्त बल्लेबाजों को हुआ। डेवोन कॉनवे ने इस दौरान लंबी पारी खेली।'' उन्होंने बायें हाथ के स्पिनर शाहबाज अहमद से गेंदबाजी नहीं कराने के फैसले का बचाव करते हुए कहा, '' मुझे लगता है कि शाहबाज अहमद के लिए उन बल्लेबाजों (बायें हाथ के बल्लेबाज) के सामने गेंदबाजी करना जोखिम भरा होता।'' मैक्सवेल ने कप्तान फाफ डु प्लेसी (33 गेंद में 62 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिये 126 रन जोड़कर जीत की उम्मीद जगा दी थी लेकिन दो ओवर के अंदर दोनों के आउट होने से मैच का रूख चेन्नई की तरफ मुड़ गया। मैक्सवेल ने कहा, '' हमने अच्छा प्रदर्शन किया और लक्ष्य के करीब पहुंचे। हम ऐसी स्थिति में थे जहां से मैच जीत सकते थे।

आरसीबी को दोहरा झटका, हार के साथ ही विराट पर लगा जुर्माना

बेंगलुरू (ईएमएस)।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) को चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के खिलाफ हुए मुकाबले में दोहरा झटका लगा है।इस मैच में आरसीबी टीम को जहां हार का सामना करना पड़।वहीं उसके अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली पर आचार संहिता उल्लंघन के लिए जुर्माना लगा है।विराट पर मैच

के दौरान आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 10 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल के अनुसार कोहली को आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के नियमों का उल्लंघन का दोषी पाया गया है। इसका कारण ये है कि कोहली ने सीएसके के मध्यक्रम के बल्लेबाज शिवम दुबे के आउट होने पर अति उत्साह में कुछ ज्यादा ही जश्न मना लिया जो आचार संहिता का उल्लंघन माना गया। आईपीएल ने अपने एक बयान में कहा, ' विराट पर सीएसके के खिलाफ हुए मैच में आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 10 फीसदी जुर्माना लगा है। इसमें कहा गया है, 'कोहली ने आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत लेवल एक के अपराध को मान लिया है, इसलिए आगे सुनवाई की जरुरत नहीं है।इस मामले में मैच रैफरी का फैसला ही अंतिम होता है।

एशियाई खेलों से पहले एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में कड़ी परीक्षा होगी : हरमनप्रीत

मुंबई (एजेंसी)। बेंगलुरू = भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने मंगलवार को कहा कि इस साल सितंबर अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों से पहले चेन्नई में होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में टीम की कड़ी परीक्षा होगी। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी तीन से 12 अगस्त तक आयोजित की जाएगी जो हांगझू में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारियों के लिए आदर्श टूर्नामेंट होगा। भारत एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करेगा।

हरमनप्रीत ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा,'' हमारी टीम में से अधिकतर खिलाड़ी पहली बार चेन्नई में खेलेंगे। मुझे याद है कि हमारे सीनियर खिलाड़ी 2007 में चेन्नई में खेले गए एशिया कप के बारे में बात किया करते थे जो कि भारत के लिए बहुत अच्छा टूर्नामेंट रहा था।' उन्होंने कहा,'' यह टूर्नामेंट खुद को परखने के दृष्टिकोण से हमारे लिए बहुत अच्छा होगा क्योंकि हमें उन टीमों का सामना करना है जिनसे हम एशियाई खेलों में भिड़ेंगे। एशियाई खेलों से पहले यह टीम के लिए कड़ी परीक्षा होगी।'

हरमनप्रीत ने कहा,'' इससे हमें अपने विरोधियों को भी परखने का मौका मिलेगा जिससे हमें एशियाई खेलों की अच्छी तरह से तैयारी कर पाएंगे जहां हमारा लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करना है।' भारत ने 2011 में पहली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। उसने 2016 में फाइनल में पाकिस्तान को हराकर अपने खिताब का बचाव किया था। इसके बाद 2018 में फाइनल मैच बारिश से प्रभावित रहा जिसके कारण भारत और पाकिस्तान को संयुक्त विजेता घोषित किया गया था। ढाका में 2021 में खेले गए टूर्नामेंट में भारत तीसरे स्थान पर रहा था।

संबलपुर जा रहे बीजेपी प्रतिनिधिमंडल को रोका गया, हिरासत में लिए गए

भुवनेश्वर, 18 अप्रैल (एजेन्सी)। ओडिशा पुलिस ने राज्य भाजपा अध्यक्ष मनमोहन सामल, केंद्रीय मंत्री बिश्वेश्वर टुडू और सांसदों व विधायकों समेत कई अन्य नेताओं को मंगलवार को उस समय हिरासत में ले लिया, जब वे हिंसा प्रभावित संबलपुर शहर जा रहे थे।

यह घटना तब हुई जब राज्य अध्यक्ष सामल के नेतृत्व में ओडिशा भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल संबलपुर कस्बे में स्थिति का जायजा लेने जा रहा था, इसी दौरान उन्हें झारसुगुड़ा-संबलपुररोड पर श्रीपुरा चौक के पास रोक लिया गया । यहां पर पिछले सप्ताह दो समुदायों के बीच कई हिंसक घटनाएं हुई हैं।

संबलपुर के अतिरिक्त एसपी तपन मोहंती ने कहा, हमने उन्हें हिरासत में लिया है क्योंकि वे सीआरपीसी की 144 का पालन नहीं कर रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, संबलपुर कस्बे में प्रवेश करने से पहले बीजेपी नेताओं को थेलकोलोई थाने में हिरासत में लिया गया था। जिन अन्य नेताओं को हिरासत में लिया गया है, उनमें सांसद सुरेश पुजारी, जुएल उरांव, बसंत पांडा, विधायक नौरी नाइक, कुसुमु टेटे, शंकर ओराम और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष समीर मोहंती और केवी सिंहदेव शामिल हैं।

टुडू ने कहा, जब हमने एक दिन पहले ही पुलिस को सूचित कर दिया था, तब हमें बीच रास्ते में रोकना गलत था। उन्होंने जिला कलेक्टर और एसपी को तत्काल निलंबित करने की मांग की। भाजपा सांसदों ने कहा कि वे आगामी सत्र में संसद और ओडिशा विधानसभा में इस मुद्दे को उठाएंगे।

बरगढ़ के सांसद सुरेश पुजारी ने कहा, मैं इस नजरबंदी पर जिला प्रशासन की वैधता और शक्ति की जांच करूंगा। मैं इस नजरबंदी पर जिला प्रशासन की वैधता और शक्ति की जांच करूंगा। अगर यह किसी सांसद के विशेषाधिकार हनन का मामला बनता है तो मैं जिला प्रशासन के खिलाफ विशेषाधिकार हनन करने के लिए कदम उठाऊंगा।

पुजारी ने कहा कि जिला प्रशासन सोमवार को संबलपुर में भाजपा प्रतिनिधिमंडल की यात्रा की अनुमति देने पर सहमत हो गया। लेकिन दुर्भाग्य से आज उन्होंने अनुमति देने से इंकार कर दिया। पुलिस ने यह 'यू' टर्न किसके इशारे पर लिया, इस पर उन्होंने हैरानी जताई।

हिरासत को असंवैधानिक करार देते हुए, विधायक नौरी नाइक ने कहा कि पार्टी उचित मंच पर पुलिस के कदम का कड़ा विरोध करेगी। इस बीच, संबलपुर जिला प्रशासन ने कस्बे में कर्फ्यू में और ढील दी है। सूत्रों ने बताया कि इसी तरह जिले में इंटरनेट सेवाएं 19 अप्रैल की सुबह 10 बजे तक बंद रहेंगी।

गौरतलब है कि हनुमान जयंती (14 अप्रैल) से पहले 12 अप्रैल की शाम को हनुमान जयंती समन्वय समिति के सदस्यों, बजरंग दल के कार्यकर्ताओं आदि द्वारा मोटरसाइकिल जुलूस निकाला गया। रैली के दौरान, संबलपुर कस्बे में दो समुदायों के बीच झड़पें हुईं, जिसमें कई लोग घायल और पुलिसकर्मि घायल हो गए थे।

14 अप्रैल को कस्बे में फिर से हिंसा की घटनाएं हुईं, जब पश्चिमी ओडिशा शहर में हनुमान जयंती का जुलूस निकल रहा था। 14 अप्रैल की रात कुछ दुकानों में आग लगा दी गई और तोड़फोड़ की गई थी।

एनआईए अतीक-अशरफ हत्याकांड में लॉरेंस बिश्नोई से करेगी पूछताछ

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेन्सी)। अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की सनसनीखेज हत्या के मामले में एनआईए गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से पूछताछ कर सकती है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के सूत्रों ने कहा कि वे अतीक और अशरफ के तीनों हत्यारों द्वारा इस्तेमाल किए गए हथियारों के संबंध में उससे पूछताछ करेंगे।

सूत्रों ने कहा, हत्यारों ने अतीक और अशरफ को खत्म करने के लिए तुर्की निर्मित पिस्तौल जिगाना का इस्तेमाल किया। यह वही हथियार था जिसका इस्तेमाल पंजाबी गायक सिद्धू सिंह मूसेवाला को मारने के लिए किया गया था।

सूत्रों ने बताया कि गैंगस्टर सुंदर भाटी के तार लॉरेंस बिश्नोई से भी जुड़े हैं और वे इस पहलू को भी देख रहे हैं। अतीक और अशरफ के हत्यारों में से एक सन्नी बिश्नोई को अपना आर्दश बताता था।

पिछले साल एनआईए ने तीन अलग-अलग प्राथमिकी (एफआईआर संख्या 37, 38, 39) दर्ज की थीं। एफआईआर संख्या 37 में एजेंसी ने विदेशी आधार वाले खालिस्तान समर्थक के बारे में जिक्र किया था जो भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने और देश में अशांति पैदा करने की साजिश रच रहे थे।

बंबइया गैंग के खिलाफ एफआईआर नंबर 38 दर्ज की गई थी जिसमें नीरज बवाना, कौशल चौधरी व अन्य को आरोपी बनाया गया था। इसके अलावा लॉरेंस बिश्नोई, कला जठेड़ी, काला राणा और उनके सहयोगियों के खिलाफ प्राथमिकी संख्या 39 दर्ज की गई थी।

सूत्र ने कहा, आज लॉरेंस बिश्नोई को प्राथमिकी संख्या 37 के संबंध में एनआईए अदालत में पेश किया गया। हाल ही में, हमने इस मामले में एक दीपक को पकड़ा था। दीपक बिश्नोई के संपर्क में था।

सूत्रों ने कहा कि गैंगस्टरों ने अखिल भारतीय नेटवर्क बनाकर अपने अपराध सिंडिकेट को सुचारू रूप से चलाने के लिए दो 'महागठबंधन' बनाए हैं।

सूत्र ने कहा, गैंगस्टर्स के महागठबंधन में ग्रुप ए नीरज बवाना का है। नीरज बवाना के महागठबंधन में सौरभ उर्फ गौरव, सुवेघ सिंह उर्फ सिब्बू, सुभम बलियान, राकेश उर्फ राका, इरफान उर्फ छेनू, रवि गंगवाल और रोहित चौधरी और दविंदर बंबीहा गैंग हैं।

लॉरेंस बिश्नोई के ग्रुप (टीम बी) में संदीप उर्फ काला जतेहड़ी, कपिल सांगवान उर्फ नंदू, रोहित मोई, दीपक बॉक्सर, प्रिंस तेवतिया, राजेश बवानिया और अशोक प्रधान हैं।

महागठबंधन के ये दोनों गैंगस्टर कई राज्यों में कहर बरपा चुके हैं और गैंगवार में भी शामिल हैं। अधिकारी ने कहा, अगर उनकी टीमों का अतीक और अशरफ हत्याकांड से कोई संबंध है, तो हम पूरे ऑपरेशन को यूपी पुलिस के साथ साझा करेंगे।

कार्ति चिदंबरम को ईडी का झटका, 11.04 करोड़ रुपये की संपत्ति हुई कुर्क

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेन्सी)। आईएनएक्स धन शोधन मामले में कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम को करारा झटका लगा है। प्रवर्तन निदेशालय ने इस मामले में उनकी 11.04 करोड़ रुपये की संपत्ति मंगलवार को कुर्क की। इस कार्रवाई को लेकर निदेशालय ने एक बयान भी जारी किया है।

आधिकारिक बयान में ईडी ने कहा है कि कुर्क की गई चार संपत्तियों में से एक कर्नाटक के कुर्ग जिले में स्थित अचल संपत्ति है। साथ ही बयान में यह भी कहा गया है कि कार्ति के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अंतरिम आदेश भी जारी किया गया है।

गौरतलब है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम के बेटे कार्ति चिदंबरम तमिलनाडु की शिवगंगा लोकसभा सीट से मौजूदा सांसद हैं। वे इन दिनों आईएनएक्स मामले में जेल में हैं। उन्हें सीबीआई और ईडी दोनों ने गिरफ्तार किया था।

यह मामला आईएनएक्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्राप्त कथित अवैध धन से संबंधित है। इसे यूपीए सरकार में केंद्रीय वित्त मंत्री के रूप में उनके पिता के कार्यकाल के दौरान विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड (एफआईपीबी) की मंजूरी मिली थी। वहीं, पी चिदंबरम के बेटे और कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 2011 में 263 चीनी नागरिकों को वीजा जारी किए जाने में कथित अनियमितता के सिलसिले में कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम और अन्य के खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया है।

बिलकिस के दोषियों की माफी मामले पर एससी ने कहा, 'डराने की कोई बात नहीं'

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेन्सी)। केंद्र और गुजरात सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दावा किया कि बिलकिस बानो मामले में 11 दोषियों को छूट देने के संबंध में फाइलों पर विशेषाधिकार है और कहा है कि वे अदालत के फैसले की समीक्षा की मांग कर सकते हैं।

हालांकि, शीर्ष अदालत ने जोर देकर कहा कि विचाराधीन अपराध 'भयावह' था और गुजरात सरकार के लिए यह अनिवार्य था कि वह 11 दोषियों की समय से पहले रिहाई की अनुमति देने के लिए दिमाग का इस्तेमाल करती।

पीठ में शामिल न्यायमूर्ति के.एम. जोसेफ और बी.वी. नागरत्ना ने कहा कि अदालत यह देखने में रुचि रखती है कि कानूनी रूप से किन शक्तियों का प्रयोग किया गया था और अदालत निष्कर्ष निकालने के लिए स्वतंत्र है।

केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने कहा कि फाइलें उनके पास मंगलवार को ही आईं। उन्होंने कहा, 'मुझे फाइल देखने दीजिए और मैं इस मामले पर अगले हफ्ते सुनवाई करूंगा।'

उन्होंने कहा कि अदालत यह देखने में रुचि रखती है कि कानूनी रूप से किन शक्तियों का प्रयोग किया गया था और यदि आप हमें कारण नहीं बताते हैं, तो अदालत निष्कर्ष निकालने के लिए स्वतंत्र है।

इस पर, न्यायमूर्ति जोसेफ ने राजू से कहा : 'आपने पूरी तरह से कानूनी काम किया है, डरने की कोई बात नहीं है .. सामान्य मामलों में छूट का अनुदान न्यायिक समीक्षा के अधीन नहीं होगा।'

उन्होंने कहा, 'आज यह महिला (बिलकिस) है। कल, यह आप या मैं हो सकते हैं। फिर आप कौन से मानक लागू करेंगे .. वस्तुनिष्ठ मानक निर्धारित हैं। इसे दिखाने में क्या समस्या है (11 दोषियों की छूट से जुड़ी फाइलें) आज? हमने तो पहले ही कहा था, इस मामले को दूसरे दिन लाना। आपने अवमानना की, फाइलें पेश नहीं कीं, तो आखिर मुश्किल क्या है?'

राजू ने कहा : मेरे निर्देश हैं, हम विशेषाधिकार का दावा कर रहे हैं और समीक्षा के लिए कह रहे हैं।

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने तब कहा : यदि आप हमें फाइलें दिखाते हैं तो आप बेहतर स्थिति में होंगे। राजू ने जोर देकर कहा कि उनके निर्देश अलग हैं और इसलिए उन्हें उनका पालन करना होगा।

पीठ ने कहा कि उसने सरकार को समीक्षा रिपोर्ट दाखिल करने से नहीं रोका है और पूछा है कि फाइलों के अभाव में क्या वकील बहस कर पाएंगे? राजू ने कहा : शुरुआत में मैंने कहा कि दलीलें पूरी नहीं हुई हैं और समीक्षा याचिका दायर करने के लिए कुछ समय मांगा।

जस्टिस नागरत्ना ने पूछा कि फाइलों के अभाव में सरकार के वकील की दलीलों का आधार क्या होगा।

बिलकिस बानो का प्रतिनिधित्व करने वाली अधिवक्ता शोभा गुप्ता ने कहा कि गुजरात राज्य ने पहले ही जवाबी हलफनामे में अदालत में अधिकांश दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं। न्यायमूर्ति जोसेफ ने तब राजू से कहा : हम समीक्षा याचिका दायर करने में आपके रास्ते में खड़े होना नहीं चाहते।

पीठ ने कहा, सवाल यह है कि क्या सरकार ने अपना दिमाग लगाया, कौन सी सामग्री उसके फैसले का आधार बनी।

सुनवाई के दौरान, पीठ ने मामले के रिकॉर्ड की भी जांच की और कहा कि सजा काटने के दौरान दोषियों को 3 साल की पैरोल दी गई थी। यह नोट किया गया कि उनमें से प्रत्येक को 1,000 दिनों से अधिक की पैरोल दी गई थी। एक दोषी को 1,500 दिन की पैरोल मिली, और पूछा : आप किस नीति का पालन कर रहे हैं?

मामले में एक विस्तृत सुनवाई के बाद शीर्ष अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 2 मई को होनी तय की, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि विचाराधीन अपराध 'भयानक' था और गुजरात सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह 11 दोषियों की समय से पहले रिहाई की अनुमति देने के लिए दिमाग का इस्तेमाल करे।

मोरबी पुल हादसा : पीड़ितों को अंतरिम मुआवजे के लिए ओरेवा ग्रुप ने जमा किए 14.62 करोड़

अहमदाबाद, 18 अप्रैल (एजेन्सी)। ओरेवा समूह ने मंगलवार को गुजरात उच्च न्यायालय को सूचित किया कि उसने मोरबी पुल हादसे के पीड़ितों को अंतरिम मुआवजे के रूप में दिए जाने वाले 14.62 करोड़ रुपये राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के पास जमा कर दिए है। उच्च न्यायालय ने फरवरी में समूह को यह निर्देश दिया था।

ओरेवा समूह ने मंगलवार को गुजरात उच्च न्यायालय को सूचित किया कि उसने मोरबी पुल हादसे के पीड़ितों को अंतरिम मुआवजे के रूप में दिए जाने वाले 14.62 करोड़ रुपये राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के पास जमा कर दिए है। उच्च न्यायालय ने फरवरी में समूह को यह निर्देश दिया था।

पिछले साल 30 अक्टूबर को मोरबी शहर में एक पुल गिर गया था जिसमें 135 लोगों की मौत हो गई थी। ब्रिटिश कालीन उस पुल के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी ओरेवा समूह पर थी।

कंपनी ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ए जे देसाई और न्यायमूर्ति बीरेन वैष्णव की पीठ को सूचित किया कि उसने पीड़ितों को अंतरिम राहत के रूप में भुगतान की जाने वाली पूरी राशि (14.62 करोड़ रुपये) गुजरात राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के पास जमा कर दी है।

कंपनी के अनुसार दो समान किस्तों में यह राशि जमा कराई गई।

अदालत ने कहा कि पीठ के 22 फरवरी के आदेश के अनुसार राशि वितरित की जाएगी।

अदालत ने अपने उस आदेश में, गुजरात राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव को पीड़ितों के उचित सत्यापन के बाद जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं संबंधित सरकारी अधिकारियों के समन्वय से राशि का वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

अदालत ने 22 फरवरी 2023 को कंपनी को 135 मृतकों में से प्रत्येक के परिवार को अंतरिम मुआवजे के तौर पर 10 लाख रुपये और उस हादसे में घायल हुए 56 लोगों में से प्रत्येक को दो लाख रुपये देने का निर्देश दिया था।

इस बीच, राज्य सरकार ने मंगलवार को अदालत को सूचित किया कि उसने अपने 11 अप्रैल के आदेश के अनुसार मोरबी नगरपालिका को भंग कर दिया है।

पुरुष या महिला की कोई पूर्ण अवधारणा नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेन्सी)। भारत में समलैंगिक विवाहों को मान्यता देने से संबंधित याचिका पर आज पांच जजों की संविधान पीठ इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हुई।

इसमें चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस एस के कौल, जस्टिस एस आर भट, जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस पी एस नरसिम्हा शामिल हैं।

समलैंगिक विवाह को कानूनी मंजूरी देने की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि पुरुष या महिला की कोई पूर्ण अवधारणा केवल जननांगों के बारे में नहीं हो सकता, बल्कि यह कहीं अधिक जटिल है।

केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ के समक्ष कहा कि विधायी मंशा है कि विवाह केवल एक जैविक पुरुष और एक जैविक महिला के बीच ही हो सकता है, इसमें विशेष विवाह अधिनियम भी शामिल है।

मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने मेहता से कहा, आप बहुत महत्वपूर्ण निर्णय ले रहे हैं। एक जैविक पुरुष व जैविक महिला की अवधारणा निरपेक्ष है। मेहता ने कहा कि एक जैविक पुरुष एक जैविक पुरुष है और यह एक अवधारणा नहीं है।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, पुरुष या महिला की कोई पूर्ण अवधारणा नहीं है, यह जननांगों की परिभाषा नहीं हो सकती है, यह कहीं अधिक जटिल है। तब भी जब विशेष विवाह अधिनियम (एसएमए) कहता है और स्त्री, पुरुष की अवधारणा पूर्ण नहीं है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपके पास कौन से जननांग हैं।

सुनवाई के दौरान, मेहता ने जोर देकर कहा कि समलैंगिक विवाह की मांग वाली याचिकाओं की पोषणीयता के खिलाफ उनकी प्रारंभिक आपत्तियों को पहले तय किया जाना चाहिए और कहा कि शीर्ष अदालत द्वारा निर्णय लेने से पहले सभी राज्यों को नोटिस जारी किया जाना चाहिए।

मेहता ने प्रस्तुत किया कि विवाह की संस्था व्यक्तिगत कानूनों को प्रभावित करती है, हिंदू विवाह अधिनियम एक संहिताबद्ध व्यक्तिगत कानून है और इस्लाम का अपना निजी कानून है, और उनका एक हिस्सा संहिताबद्ध नहीं है। बेंच - जिसमें जस्टिस संजय किशन कौल, एस रवींद्र भट, हेमा कोहली और पी.एस. नरसिम्हा शामिल हैं, ने उत्तर दिया कि यह व्यक्तिगत कानूनों में नहीं पड़ रहा है।

समलैंगिक विवाह को मान्यता देने की मांग करने वाले याचिकाकर्ताओं में से एक का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि उनके मुवक्किल एक घोषणा चाहते हैं कि हमें शादी करने का अधिकार है। एक वकील ने कहा कि विशेष विवाह अधिनियम के तहत राज्य द्वारा अधिकार को मान्यता दी जाएगी और इस अदालत की घोषणा के बाद राज्य द्वारा विवाह को मान्यता दी जाएगी।

रोहतगी ने तर्क दिया कि ऐसा इसलिए है, क्योंकि अनुच्छेद 377 के फैसले के बाद भी अब भी हमें कलंकित किया जाता है। विशेष विवाह अधिनियम में पुरुष और महिला के बजाय 'जीवनसाथी' का उल्लेख होना चाहिए।

समलैंगिक विवाहों का विरोध करने वाले एक पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने तर्क दिया कि पुरुष और महिला के बीच विवाह कानून का उपहार नहीं है, यह प्राचीन काल से अस्तित्व में है और मानव जाति को बनाए रखने के लिए विवाह आवश्यक हैं। द्विवेदी ने तर्क दिया कि यहां तक कि एसएमए में भी व्यक्तिगत कानूनों को प्रतिबिंबित करने वाले प्रावधान हैं और एक पुरुष और एक महिला के लिए अलग-अलग विवाह योग्य उम्र के बारे में बात करते हैं, और कोई इनके साथ कैसे सामंजस्य स्थापित करेगा (कौन पुरुष है और कौन महिला है)?

वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने प्रस्तुत किया कि वह सभी ऐसे रिश्तों के लिए हैं, लेकिन गंभीर सामाजिक परिणामों के बारे में चिंतित हैं, जो घोषणा और पूछताछ के बाद हो सकते हैं, क्या होगा यदि वे एक बच्चे को गोद लेते हैं और बाद में अलग होना चाहते हैं? रखरखाव कौन करे है?

सिब्बल ने कहा कि यदि टुकड़ों में व्यवस्था की जाएगी, तो अधिक जटिलताएं सामने आएंगी। इससे समुदाय को नुकसान होगा। अन्य देशों में जहां समलैंगिक विवाह को मान्यता दी गई थी, उन्होंने पूरे कानूनी ढांचे को बदल दिया।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि समान-लिंग विवाह की मांग सामाजिक स्वीकृति के उद्देश्य से केवल शहरी अभिजात्य विचार है, और समान-लिंग विवाह के अधिकार को मान्यता देने का मतलब कानून की एक पूरी शाखा का आभासी न्यायिक पुनर्लेखन होगा।

केंद्र की प्रतिक्रिया हिंदू विवाह अधिनियम, विदेशी विवाह अधिनियम और विशेष विवाह अधिनियम और अन्य विवाह कानूनों के कुछ प्रावधानों को इस आधार पर असंवैधानिक बताते हुए चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आई कि वे समलैंगिक जोड़ों को शादी करने के अधिकार से वंचित करते हैं।

डियर साप्ताहिक लॉटरी
अलीपुरद्वार निवासी ने ₹1 करोड़ जीते

अलीपुरद्वार, पश्चिम बंगाल के श्री कृष्णा लोहार ने 05.03.2023 को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर 98J 90576 है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। "केवल कुछ रुपए खर्च कर के ही पुरस्कार राशि के एक करोड़ रुपए जीतना केवल डियर लॉटरी के माध्यम से ही सम्भव है। मैं एक मध्यम वर्गीय परिवार से आया हूं और मैंने कभी अपने हाथ में एक करोड़ रुपए होने के बारे में सोचा भी नहीं था। डियर लॉटरी ने मुझे एक करोड़पति बना दिया है। डियर लॉटरी को मेरा आंतरिक धन्यवाद।'' विजेता ने कहा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com